राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार,04जुलाई2020 वर्ष-2, अंक -121 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of
India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in

कानपुर में बदमाशों से मुठभेड़, बरसाई अंधाधुंध गोलियां सीओ समेतआठ पुलिसकर्मी शहीद

कानपुर(एजेंसी) कानपुर में देर रात शातिर बदमाशों को पकडने् गई पुलिस टीम पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में सीओ समेत आठ पुलिसकर्मी शहीद हो गए। एडीजी जय नारायण सिंह ने घटना की पुष्टि की है। चार पुलिसकर्मी घायल भी हैं। कई सिपाहियों को बेहद गंभीर हालत में रीजेंसी भर्ती कराया गया है और कई पुलिसकर्मी लापता हैं। इस घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। अब तक पुलिस हुए हमलों में यह सबसे बड़ी घटना बताई जा रही है। पुलिस के आलाधिकारी और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। घटना कानपुर में चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरू गांव की है। आपको बता दें कि गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे बिठूर और चौबेपुर पुलिस ने मिलकर विकास दुबे के गांव बिकरू में उसके घर पर दबिश दी। बिठूर एसओ कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि विकास और उसके 8–10 साथियों ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। घर के अंदर और छतों से गोलियां चलाई गईं। गोलीबारी में सीओ बिल्हौर देवेंद्र मिश्रा और एसओ शिवराजपुर महेश यादव शहीद हो गए। उनके साथ करीब आठ पुलिसकर्मी भी शहीद हुए हैं। जबकि एसओ बिठूर, एक दरोगा समेत कई पुलिसकर्मियों को गोली भी लगी है। जिन्हें गंभीर हालत में रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कई पुलिसकर्मी लापता बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर की इस घटना में मारे गए पुलिसकर्मियों के प्रति शोक और उनके परिजनों से संवेदना प्रकट की है। योगी ने घटना की रिपोर्ट तलब की है और साथ ही डीजीपी एचसी अवस्थी से अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई क ानिर्देश दिया है।

कई थानों की पुलिस मौके पर

एसओ कौशलेंद्र के एक गोली जांघ और दूसरीहाथ पर लगी। इसके अलावा सिपाही अजय सेंगर, अजयकश्यप, सिपाही शिवमूरत, दरोगा प्रभाकर पांडेय, ह ा ेमगार्ड जयराम पटेल समेत सात पुलिसकर्मियों को गोलियां लगीं। सेंगर और शिवमूरत के पेट में गोलीलगी। दोनों की हालत गंभीर है। सूचना के बाद क इ थानों की फोर्स गांव पहुंची और घायलों को लेकर रीजेंसी अस्पताल लाया गया। सूत्रों ने बताया कि जिस तरीके से हमला हुआ, उससे आशंका है कि बदमाशों को पुलिस की दबिश की भनक मिल गई थी। जिस कारण उन्होंने तैयारी करके पुलिस पर हमला किया। पुलिस ने बताया कि विकास दुबे खूंखार अपराधी है जिस पर 2003 में शिवली थाने में घुसकर तत्कालीन श्रम संविदा बोर्ड के चेयरमैन राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त भाजपा नेता संतोष शुक्ला की हत्या का आरोप लगा था। बाद में वह इस केस से बरी हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के मंत्री की रामदेव को चेतावनी- कोरोना पर लोगों को नहीं करने देंगे गुमराह

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री राजेंद्र शिंगने ने शुक्रवार को कहा कि योग गुरु रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद लि. द्वारा तैयार की गई दवा 'कोरोनिल कोविड-19 का इलाज नहीं करती। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि पतंजलि भ्रामक दावा कर राज्य के लोगों को गुमराह करेगी तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। शिंगने ने कहा कि यदि कोरोनिल के उत्पादकों द्वारा गलत दावे किए जाते हैं तो राज्य के गृह विभाग की मदद से औषधि और चमत्कारिक उपचार (आक्षेपणीय विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत कार्रवाई की जाएगी। एक आधिकारिक वक्तव्य में उन्होंने कहा कि पतंजलि द्वारा बनाई गई दवा कोरोनिल से कोविड-19 का इलाज नहीं किया जा सकता। मंत्री ने कहा कि केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया है कि पतंजलि कोरोनिल को केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली दवा के रूप में ही बेच सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि लोग दवा के नाम की वजह से भी भ्रमित हो रहे हैं।

अनंतनाग मुठभेड़ में सीआरपीएफ जवान, एक बच्चे की हत्या करने वाला आतंकवादी ढेर

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सीआरपीएफ के एक जवान और छह साल के बच्चे की हत्या करने वाले आतंकवादी को सुरक्षा बलों ने श्रीनगर के मालबाग इलाके में मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस ने बताया कि आतंकवादी की पहचान जम्मू-कश्मीर इस्लामिक स्टेट से संबद्ध जाहिद डास के तौर पर हुई है, जिसने 26 जून को दक्षिणी कश्मीर के बिजबिहारा में सीआरपीएफ दल पर हमला किया था। कश्मीर पुलिस जोन के ट्विटर पर पुलिस महानिदेशक (कश्मीर) विजय कुमार ने ट्वीट किया, अनंतनाग के बिजबिहारा में जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के कर्मी और छह साल के बच्चे की हत्या करने वाला आतंकवादी जाहिद डास कल श्रीनगर में मुठभेड़ में मारा गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की बड़ी सफलता। गौरतलब है कि अनंतनाग जिले के बिजबिहारा इलाके में पादशाही बाग पुल के पास सीआरपीएफ की 90वीं बटालियन के सड़क सुरक्षा बल पर आतंकवादियों ने हमला कर सीआरपीएफ के एक जवान और एक छह वर्षीय बच्चे की हत्या कर दी थी। कुमार ने मामले पर विस्तृत जानकारी नहीं दी। वहीं पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार रात मालबाग इलाके में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षा बल पर गोलियां चलाना शुरू कर दी, बल ने भी जवाबी कार्रवाई की जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। इसमें एक आतंकवादी मारा गया और सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हो गया।

पीएम मोदी का चीन को सख्त संदेश-विस्तारवाद का युग खत्म, ये विकासवाद का समय

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि ''विस्तारवाद का युग समाप्त हो चुका है यह युग विकासवाद का है। विस्तारवाद की नीति ने विश्व शांति के लिए खतरा पैदा किया है और इसी अनुभव के आधार पर पूरे विश्व ने इस बार फिर विस्तारवाद के खिलाफ मन बना लिया है। पूर्वी लद्दाख में भारतीय एवं चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के कुछ ही दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अचानक लेह पहुंचे और वहां जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कही। उन्होंने कहा, ''विस्तार वाद का युग समाप्त हो चुका है। यह युग विकासवाद का है। तेजी से बदलते हुए समय में विकासवाद ही प्रासंगिक है। विकासवाद के लिए अवसर है और विकासवाद भविष्य का आधार भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीती शताब्दियों में विस्तारवाद ने ही मानवता का सबसे ज्यादा अहित किया और मानवता के विनाश का प्रयास किया। उन्होंने कहा, ''विस्तारवाद की जिद किसी पर सवार हो जाती है तो उसने हमेशा विश्व शांति के सामने खतरा पैदा किया है। और यह न भूलें इतिहास गवाह है। ऐसी ताकतें मिट गई हैं या मुड़ने को मजबूर हो गई है। मोदी ने कहा, ''विश्व का हमेशा यही अनुभव रहा है और इसी अनुभव के आधार पर अब इस बार फिर से पूरे विश्व ने विस्तारवाद के खिलाफ मन बना लिया है। आज विश्व विकासवाद को समर्पित है और विकासवाद की स्पर्धा का स्वागत कर रहा है। मोदी प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत के साथ सुबह करीब साढ़े नौ बजे लेह पहुंचे और वहां निमू में, जो एक अग्रिम स्थल है, थलसेना, वायुसेना एवं आईटीबीपी के कर्मियों से बातचीत की। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को सीमा पर मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। सिंधु नदी के तट पर 11,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित निमू सबसे दुर्गम स्थानों में से एक है। यह जंस्कार पर्वत श्रृंखला से घिरा हुआ है। प्रधानमंत्री ने जवानों से कहा, ''मैं गलवान घाटी में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों को एक बार फिर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा हूं। आपने जो वीरता हाल ही में दिखाई उससे विश्व में भारत की ताकत को लेकर एक संदेश गया है ।%% उन्होंने कहा, ''आपके और आपके मजबूत संकल्प के कारण 'आत्मनिर्भर भारत बनने का हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है। आपकी इच्छाशक्ति हिमालय की तरह मजबूत और अटल है, देश को आप पर गर्व है।

प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन पर चीनी दूतावास का बयान

पूर्वी लद्दाख में भारतीय-चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के कुछ ही दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अचानक लेह पहुंचे। यहां उन्होंने थलसेना, वायुसेना और आईटीबीपी के जवानों से बातचीत की। पीएम मोदी के लेह दौरे के बाद चीन बैकफुट पर आ गया है। चीनी दूतावास की तरफ से बयान आया कि हमने 12 पड़ोसी देशो से बातचीत कर सीमा का बंटवारा किया है।

चीन को विस्तारवादी कहना गलत है। रोजाना होने वाली ब्रीफिंग में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि भारत-चीन लगातार सैन्य और डिप्लोमेटिक बातचीत के जरिए बॉर्डर पर जारी तनाव को कम करने में लगे हुए हैं। चीन ने कहा कि किसी अन्य को कुछ ऐसा नहीं करना चाहिए, जिससे बॉर्डर पर तनाव पैदा हो। दरअसल अमेरिका और जापान ने भारत का समर्थन किया है जिससे चीन तिलमिलाया हुआ है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम भारत के संपर्क में हैं और जल्द ही बातचीत से हर समस्या का हल निकलेगा। बता दें कि पीएम मोदी आर्मी चीफ एमएम नरवाणे और सीडीएस जनरल बिपिन रावत के साथ सुबह करीब साढ़े नौ बजे लेह पहुंचे। प्रधानमंत्री ने निमू में थलसेना, वायुसेना एवं आईटीबीपी के कर्मियों से बातचीत की।

उन्होंने बताया कि सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को सीमा की स्थिति से अवगत कराया। सिंधु नदी के तट पर 11,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित निमू सबसे दुर्गम स्थानों में से एक है।

सोनिया गांधी का पीएम मोदी को खत, मेडिकल कॉलेजों में औबीसी आरक्षण की उठाई मांग

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि देश के सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मेडिकल शिक्षण संस्थानों में ओबीसी आरक्षण की अनुपालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के जरिए मेडिकल संस्थानों में होने वाले दाखिले के संदर्भ में ओबीसी छात्रों को आरक्षण की सुविधा नहीं मिल पा रही है। सोनिया ने कहा कि अखिल भारतीय कोटा के तहत सभी केंद्रीय एवं प्रादेशिक मेडिकल शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचति जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए क्रमश 15, 7.5 और 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित होती हैं।

बहरहाल, अखिल भारतीय कोटे के तहत ओबीसी छात्रों के लिए आरक्षण सिर्फ केंद्रीय संस्थानों में सीमित होता है। कांग्रेस की शीर्ष नेता ने कहा कि 'ऑल इंडिया फैडरेशन फॉर अदर बैकवर्ड क्लासेज की ओर से एकत्र किए कए आंकड़ों के मुताबिक, राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मेडिकल शिक्षण संस्थानों में ओबीसी आरक्षण लागू नहीं होने से 2017 के बाद से ओबीसी छात्रों को 11,000 से अधिक सीटें गंवानी पड़ी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार, राज्य के मेडिकल संस्थानों में ओबीसी आरक्षण नहीं दिया जाना 93वें संवैधानिक संशोधन का उल्लंघन है ।

इससे योग्य ओबीसी छात्र मेडिकल शिक्षा हासिल करने से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि समता और सामाजिक न्याय के हित में केंद्र सरकार से आग्रह करती हूं कि राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मेडिकल संस्थानों में भी मेडिकल एवं डेंटल के अखिल भारतीय कोटे के तहत ओबीसी छात्रों को आरक्षण दिया जाए।

अमेरिकी शीर्ष सांसद का दावा- चीनी सैनिकों ने की भारतीय सीमा में घुसपैठ, मार डाले 20 जवान

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने कहा कि चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (छ्क्ष्ट) अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ आक्रामकता का प्रदर्शन कर रही है और उसने भारत में असल में घुसपैठ की है। पिछले कुछ दिनों में अमेरिका के एक दर्जन से अधिक सांसदों ने चीनी आक्रामकता के खिलाफ आवाज उठाई है और वे भारत के समर्थन में उतर आए हैं। सीनेटर टिम कॉटन ने सीनेट में गुरुवार को कहा कि चीन अपने चारों ओर आक्रामक कदम उठा रहा है। उसने भारत में वास्तव में घुसपैठ की और 20 भारतीय जवानों को मार दिया। रिपब्लिकन पार्टी के नेता कॉटन ने कहा कि चीन ने दक्षिण चीन सागर पर हमला किया है या वियतनाम, मलेशिया और फिलीपीन को डराया। उसने ताइवान और जापानी हवाई रिपब्लिकन पार्टी के नेता कॉटन ने कहा कि चीन ने दक्षिण चीन सागर पर हमला किया है या वियतनाम, मलेशिया और फिलीपीन को डराया। उसने ताइवान और जापानी हवाई क्षेत्र में अनधिकृत प्रवेश किया है। उन्होंने कहा कि हांगकांग में हाल में लागू सुरक्षा कानून ने स्पष्ट कर दिया है कि सीपीसी न तो अपने लोगों और न ही अन्य देशों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करेगी। कॉटन ने चीन पर अमेरिका, विश्व व्यापार संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य के प्रति प्रतिबद्धताएं पूरी न करने का आरोप लगाया। सीनेटर मिच मैक्कोनल ने सीनेट में राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) 2011 के समर्थन में दिए अपने भाषण में आरोप लगाया कि चीन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उकसाने वाले कदम उठा रहा है।

अनंतनाग मुठभेड़ में सीआरपीएफ जवान, एक बच्चे की हत्या करने वाला आतंकवादी ढेर

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सीआरपीएफ के एक जवान और छह साल के बच्चे की हत्या करने वाले आतंकवादी को सुरक्षा बलों ने श्रीनगर के मालबाग इलाके में मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस ने बताया कि आतंकवादी की पहचान जम्मू-कश्मीर इस्लामिक स्टेट से संबद्ध जाहिद डास के तौर पर हुई है, जिसने 26 जून को दक्षिणी कश्मीर के बिजबिहारा में सीआरपीएफ दल पर हमला किया था। कश्मीर पुलिस जोन के ट्विटर पर पुलिस महानिदेशक (कश्मीर) विजय कुमार ने ट्वीट किया, अनंतनाग के बिजबिहारा में जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के कर्मी और छह साल के बच्चे की हत्या करने वाला आतंकवादी जाहिद डास कल श्रीनगर में मुठभेड़ में मारा गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की बड़ी सफलता। गौरतलब है कि अनंतनाग जिले के बिजबिहारा इलाके में पादशाही बाग पुल के पास सीआरपीएफ की 90वीं बटालियन के सड़क सुरक्षा बल पर आतंकवादियों ने हमला कर सीआरपीएफ के एक जवान और एक छह वर्षीय बच्चे की हत्या कर दी थी। कुमार ने मामले पर विस्तृत जानकारी नहीं दी। आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार रात मालबाग इलाके में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षा बल पर गोलियां चलाना शुरू कर दी, बल ने भी जवाबी कार्रवाई की जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई।

लेह में घायल सैनिकों से मिले मोदी, बोले- आपके साहस को दुनिया ने देखा

नई दिल्ली।

पूर्वी लद्दाख में भारत चीन के बीच जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अचानक लेह का दौरा कर सभी को चौंका दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने गलवान घाटी में 15/16 को चीन के साथ हुई हिंसक घटना में घायल सैनिकों से मुलाकात की और घायल सैनिकों का हौसला बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने सैनिकों से बातचीत के दौरान कहा आप सबके पराक्रम और शौर्य को सलाम।उन्होंने कहा कि आप देशवासियों के लिए प्रेरणा हैं। पूरी दुनिया आज सैनिकों की बहादुरी पर चर्चा कर रही है। इससे पहले पीएम मोदी ने लेह में जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि ''विस्तारवाद का युग समाप्त हो चुका है यह युग विकासवाद का है। विस्तारवाद की नीति ने विश्व शांति के लिए खतरा पैदा किया है और इसी अनुभव के आधार पर पूरे विश्व ने इस बार फिर विस्तारवाद के खिलाफ मन बना लिया है। उन्होंने कहा, ''विस्तार वाद का युग समाप्त हो चुका है। यह युग विकासवाद का है। तेजी से बदलते हुए समय में विकासवाद ही प्रासंगिक है। विकासवाद के लिए अवसर है और विकासवाद भविष्य का आधार भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीती शताब्दियों में विस्तारवाद ने ही मानवता का सबसे ज्यादा अहित किया और मानवता के विनाश का प्रयास किया। उन्होंने कहा, ''विस्तारवाद की जिद किसी पर सवार हो जाती है तो उसने हमेशा विश्व शांति के सामने खतरा पैदा किया है। और यह न भूलें इतिहास गवाह है। ऐसी ताकतें मिट गई हैं या मुड़ने को मजबूर हो गई है। मोदी ने कहा, ''विश्व का हमेशा यही अनुभव रहा है और इसी अनुभव के आधार पर अब इस बार फिर से पूरे विश्व ने विस्तारवाद के खिलाफ मन बना लिया है। आज विश्व विकासवाद को समर्पित है और विकासवाद की स्पर्धा का स्वागत कर रहा है। मोदी प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत के साथ सुबह करीब साढ़े नौ बजे लेह पहुंचे ।

देश में कोरोना मरीजों की रिकवरी दर लगभग 60 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में कोविड-19 के मामलों का जल्दी पता लगाने और उनका समय पर क्लीनिकल प्रबंधन होने की वजह से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, और शुक्रवार को देश में कोरोना वायरस रोगियों के सही होने की दर 60 प्रतिशत से अधिक हो गयी। देश में कोरोना वायरस के एक दिन में सर्वाधिक 20 हजार से अधिक मामले आने और संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 6,25,544 पहुंचने के बीच मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 रोगियों के सही होने की दर 60.73 प्रतिशत हो गयी है। देश में एक दिन में संक्रमण से मौत के 379 मामले सामने आने के साथ मरने वालों की संख्या 18,213 पर पहुंच गयी है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, कोविड-19 के मामलों का जल्द पता चलने और समय पर उनके क्लीनिकल प्रबंधन से हर दिन स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। पिछले 24 घंटे में 20,033 कोविड-19 रोगी स्वस्थ हो चुके हैं और ठीक हो चुके लोगों की कुल संख्या 3,79,891 पहुंच गई है। बयान के अनुसार इस समय देश में 2,27,439 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। मंत्रालय ने कहा कि कैबिनेट सचिव ने शुक्रवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ कोविड-19 की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मंत्रालय ने कहा, कोविड-19 की रोकथाम और प्रबंधन के लिए सरकार के सभी स्तरों पर समन्वित प्रयासों के अच्छे परिणाम आ रहे हैं और सही होने वाले लोगों की संख्या तथा उपचाराधीन मरीजों के मामलों के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है। आईसीएमआर के अनुसार दो जुलाई तक देश में कोविड-19 के लिए 92,97,749 नमूनों की जांच की गई। बृहस्पतिवार को 2,41,576 नमूनों की जांच की गयी। मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि देश में जांच प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ते रहने से यह संभव हो सका है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

साजिशों को जवाब

विश्व मंच पर चीन की भारत विरोधी हरकतें जितनी पुरानी हैं, उतनी ही दुखद और निंदनीय भी। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर चीन फिर एक बार इस साजिश में लगा था कि पाकिस्तान के पक्ष में और परोक्ष रूप से भारत के खिलाफ एक निंदा प्रस्ताव पारित हो जाए। पाकिस्तान की ओर से चीन द्वारा पेश प्रस्ताव में विगत दिनों कराची में हुए आतंकी हमले के लिए भारत को इशारों में ही घेरने की साजिश थी। यह प्रस्ताव खुद चीन ने तैयार किया था। वैसे तो किसी भी आतंकी हमले की संयुक्त राष्ट्र के मंच से निंदा सही है, लेकिन इस मंच का नाजायज फायदा किसी को उठाने नहीं देना चाहिए। खुशी की बात है, भारत के समर्थक देश सजग थे और पहले जर्मनी ने इस प्रस्ताव को रोका और फिर अमेरिका भी आगे आया, इससे चुपचाप इस प्रस्ताव को पारित करा ले जाने की चीनी-पाकिस्तानी साजिश नाकाम हो गई। भारत के लिए चिंता की बात यह थी कि पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी कराची आतंकी हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। इसलिए ऐसे आतंकी हमले की निंदा का चुपचाप प्रस्ताव करना और उसके लिए किसी निर्दोष देश की ओर इशारा करना चीन जैसे कथित वीटो पावर प्राप्त देश को कतई शोभा नहीं देता। बहरहाल, चीन की ऐसी हरकतों के प्रति केवल भारत ही नहीं, अब दुनिया के अन्य महत्वपूर्ण देश भी सजग हो गए हैं। दुनिया में कहीं भी आतंकी हमला हैवानियत से कम नहीं, लेकिन ऐसे किसी हमले के जरिए कूटनीति और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश भी हैवानियत से कम नहीं है। अपने यहां जायज आवाज उठाने वालों को भी आजीवन करावास देने वाला चीन न जाने कैसे पाकिस्तानी आतंकियों का खुलकर बचाव करता रहा है? जमीनी रूप से आतंकवाद के पोषण में पाकिस्तान की हरसंभव मदद करने से लेकर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की पक्षधरता तक चीन का कोई भी पहलू दुनिया से छिपा नहीं है। अब खबर आई है कि म्यांमार में अरकान नामक हथियारबंद संगठन को चीन धन और हथियार दे रहा है, ताकि वे भारतीय इलाकों में अशांति फैला सकें। यह बात भी छिपी नहीं है कि हम चुपचाप उसकी साजिशें झेलते रहे हैं। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत ने मजबूर होकर अपनी नीतियों में परिवर्तन शुरू किया है। लंबे अरसे बाद भारत की खामोशी टूटी है और उसने जेनेवा में मानवाधिकार संबंधी परिषद की बैठक में हांगकांग का मुद्दा उठाया है। हांगकांग में भारतीय मूल की आबादी भी बड़ी संख्या में रहती है, अत- भारत ने कहा है कि वह इस मामले पर नजर रखे हुए है। भारत का इतना कहना भी पर्याप्त है। चीन को समझ लेना चाहिए कि आम तौर पर तिब्बत से ताइवान और यहां तक कि भारतीय इलाकों में चीनी दावों के प्रति भी अपेक्षाकृत शालीनता बरतने वाला भारत अब नई दिशा में बढ़ चला है। भारत के खिलाफ लगातार साजिशें करने की चीनी नीति को अब जवाब मिलने लगा है। दुनिया का सबसे विशाल लोकतांत्रिक देश भारत अपनी कूटनीति के प्रति सजग है। चीन के प्रति केवल भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका और ब्रिटेन में भी बड़ी नाराजगी है। कोई भी देश चीन की अतार्किक मनमानी या हस्तक्षेप को झेलना नहीं चाहेगा। विश्व मंच पर चीन को वह फसल अब काटनी पड़ेगी, जो वह भारत और अन्य देशों में बोता रहा है।

आज के ट्वीट

सरहद

सरहद पर जाकर आज नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर दिखा दिया मोदी जैसा कोई नहीं. मौक़ा भी सही, लिबास भी वाजिब और अन्दाज़ भी ग़ज़ब. चीन चौंका, फ़ौज का हौंसला बुलंद हुआ, विरोधियों को जवाब मिला और जनता का विश्वास बढ़ा. और क्या चाहिये?

-- रजत शर्मा

अंतर्राष्ट्रीय सब्सिडी खेल की मार

देविंदर शर्मा

वर्ष 2003 में चार पश्चिमी एवं मध्य अफ्रीकी देश बेनिन, बुरकेनिया फासो, चाड़ और माली ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) को एक संयुक्त प्रस्ताव लिखा, जिसमें मांग की गई कि अमेरिका व यूरोपियन संघ में दी जाने वाली व्यापक कॉटन सब्सिडी को हटाया जाए, इससे अंतर्राष्ट्रीय मूल्य प्रभावित हो रहे हैं। इसी दौरान न्यूयार्क टाइम्स में इन देशों के नेताओं के हस्ताक्षरयुक्त पत्र छापे गए, जिनमें कहा गया था, 'आपकी सब्सिडी हमारे किसानों की मौत का कारण है।' यह घटना अंतर्राष्ट्रीय हंगामें व असल में कैनकन डब्ल्यूटीओ मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस के पतन का कारण बनी। यह विशेष वाकया कई मायनों में ऐतिहासिक है और वर्तमान में चल रही बहस में सबक सिखाता है कि क्या किसानों को दिए जाने वाला न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों की तुलना में अधिक है। साथ ही हमें यह भी समझने का अवसर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में सब कुछ पाक-साफ नहीं है। कपास सब्सिडी के विवादास्पद मुद्दे पर समृद्ध विकसित देशों के लिए पश्चिमी अफ्रीकी चुनौती ने साफ कर दिया कि दुनिया के दूसरे हिस्से में किसानों की आजीविका को प्रभावित करते हुए बाजार की कीमतों में कितनी आसानी से जोड़तोड़ की जा सकती है। आक्सफेम इंटरनेशनल के अनेक अध्ययनों में से इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) और कैथोलिक सामाजिक न्याय आर्गेनाइजेशन (सीआईडीएसई) ने इस मुद्दे का गहराई से विश्लेषण किया। इसके अनुसार अमेरिका ने 21.6 बिलियन डॉलर की कपास की फसल के लिए 1998 से 2002 के बीच सिर्फ चार सालों में 14.8 बिलियन डॉलर सब्सिडी दी। कुछ और समाचार यह भी बताते हैं कि अमेरिका ने कपड़ा उद्योग को सब्सिडी वाली कपास खरीदने के लिए हर साल 1.7 बिलियन डॉलर की सब्सिडी दी। इससे अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी आई तथा पश्चिमी अफ्रीका में कपास उत्पादक किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अध्ययन बताता है कि यदि ये कपास सब्सिडी हटा दी जाती तो अमेरिका में उस समय करीब 25 हजार कपास उत्पादकों को 871 डॉलर प्रति एकड़ का औसत नुकसान उठाना पड़ा। दूसरी तरफ, चार पश्चिमी अफ्रीकी देशों (चौथे बड़े कपास उत्पादक के तौर पर पहचाने जाने वाले) को होने वाले आर्थिक नुकसान की कल्पना करें, जिनके पास कपास के वैश्विक उत्पादन का 4 प्रतिशत क्षेत्रफल है किंतु वे पूरी तरह से निर्यात के भरोसे रहे। न्यूनतम वैश्विक मूल्य अर्थात् अफ्रीकी कपास उत्पादकों को कम कीमत की अदायगी। कृत्रिम रूप से कम वैश्विक मूल्यों का विकासशील और कम विकासशील देशों के कपास उत्पादकों पर क्या प्रभाव पड़ता है यह ब्योरा विश्व बैंक के एक अन्य अध्ययन में उपलब्ध करवाया गया है। इसमें कहा गया है कि कपास की कीमतों में 40 प्रतिशत की गिरावट से कृषि आय में 21 प्रतिशत की कमी आती है। कृषि आय में गिरावट गरीबी में 20 प्रतिशत वृद्धि का परिणाम बनती है। तत्पश्चात, ब्राजील द्वारा अमेरिका में कपास सब्सिडी के खिलाफ दायर एक केस में विश्व व्यापार संगठन के विवाद पैनल ने 2005 में माना कि कुछ कपास सब्सिडी वास्तव में वैश्विक दामों को कम करती है। गैर लाभ वाले इंस्टीट्यूट फॉर एग्रीकल्चर एंड ट्रेडपॉलिसी (आईएटीपी) की सोफिया मर्पले और करेन हनसेन कुह्न के एक दिलचस्प अध्ययन में सामने आया कि मूल्य गिराने वाले पांच मुख्य कृषि उत्पाद अनाज, मक्का, सोयाबीन, चावल व कपास का अमेरिका ने निर्यात किया। आईएटीपी के संस्थापक मार्क रिची द्वारा शुरू की गई इस दिलचस्प शोध परियोजना ने निश्चित रूप से यह समझाने में महत्वपूर्ण कार्य किया कि मूल्य गिराना किस तरह से वैश्विक व्यापार को प्रभावित करता है। इसके अनुसार वर्ष 2017 में अमेरिका ने उत्पादन लागत से 38 प्रतिशत तक कम मूल्य पर बाजार में गेहूं उतारा। इसी तरह पश्चिमी अफ्रीकी चुनौती के इतर कपास 12 प्रतिशत, मक्का 9 प्रतिशत और सोयाबीन उत्पादन लागत से 4 प्रतिशत कम पर निर्यात किया गया। विश्लेषकों ने एक तर्कयुक्त स्वरूप भी देखा कि अमेरिका ने बीच के कुछ वर्षों को छोड़कर करीब ढाई दशकों में इन वस्तुओं को बाजार में उतारने का क्रम जारी रखा। 'डंपिंग' का जो भी आकार स्पष्ट रूप से होता है उसमें सब्सिडी अक्सर निहित होती है तथा वह वैश्विक कीमतों को कम करती है। वर्ष 2018 में द ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनोमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) से जुड़े देशों जो सबसे अमीर ट्रेडिंग ब्लॉक रहे, ने 246 बिलियन डॉलर कृषि सब्सिडी उपलब्ध करवाई। अनुचित व्यापार क्रियाओं के साथ इन सब्सिडी ने हमेशा विकसित देश के किसानों को मूल्य अस्थिरता से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, कपास इसमें उत्कृष्ट मामला है। अभी हाल ही में, मिल्किंग द प्लैनेट नामक एक अन्य आईएटीपी अध्ययन बताता है कि कैसे प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए यूरोपीय डेयरी कॉरपोरेशन सस्ते डेयरी उत्पादों को 'डंप' कर रहे हैं और बदले में विकासशील देशों में छोटे डेयरी फार्मों को व्यवसाय से बाहर निकाल रहे हैं। यूरोपीय संघ के साथ-साथ अमेरिका भी दूध और दुग्ध उत्पादों पर भारी सब्सिडी दे रहा है। 2017 में विश्व व्यापार संगठन के समक्ष एक संयुक्त प्रतिनिधित्व में भारत और चीन ने कहा अमेरिका में एक दशक से अधिक तक डेयरी उत्पाद और चीनी उच्च उत्पाद विशिष्ट समर्थन की प्राप्ति में चल रही है। इसी तरह, यूरोपीय संघ मक्खन के उत्पादन के लिए मूल्य के 71

प्रतिशत और स्किम्ड मिल्क पाउडर (एसएमपी) के लिए 67 प्रतिशत का उत्पाद विशिष्ट सब्सिडी सहायता प्रदान करता है, जिससे वैश्विक कीमतों में गिरावट आ रही है। एफओबी (बोर्ड ऑन फ्री) की कीमतें वास्तव में बड़े पैमाने पर सब्सिडी को कैसे छिपाती हैं, यह अमेरिका में प्रदान की जा रही गेहूं की सब्सिडी पर एक बेहतर रेखा चित्रण से दिखाया गया है। गैर-लाभकारी पर्यावरणीय कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) के अनुसार, अमेरिका ने 1995 से 2019 के बीच गेहूं उत्पादकों को 47.8 बिलियन डॉलर की सब्सिडी दी है। कुल 29 हेड हैं, जिनके तहत गेहूं पर ये सब्सिडी दी गई थी। इनमें से कुछ तो अब बंद हो गई होंगी। ये सब्सिडी वास्तव में अतिउत्पादन को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे बाजार की कीमतें कम होती हैं। बड़ी व्यापारिक एजेंसियां इस प्रक्रिया में लाभ प्राप्त करती हैं। इसके अलावा, 'यह समझने की जरूरत है कि अगर अमेरिका में बाजार गेहूं उत्पादकों को अधिक कीमत दे रहे हैं तो मुझे कोई कारण नहीं लगता है कि अमेरिका को गेहूं उत्पादकों को इतने वर्षों में इतनी बड़ी सब्सिडी देनी चाहिए।' यदि अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, कनाडा और दूसरे बड़े देश कृषि उत्पादों के निर्यात पर छूट दे सकते हैं या उन कीमतों पर निर्यात कर सकते हैं जो वास्तव में उत्पादन लागत से कम है तो इसके लिए भारतीय किसानों को क्यों दंडित किया जाए। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को घरेलू किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने के लिए बेंचमार्क नहीं माना जाना चाहिए। हिंदुस्तान को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वैश्विक कीमतों की परवाह किए बिना घरेलू कृषि आय समाज के अन्य वर्गों के समान अनुपात में बढ़े। इसकी शुरुआत न्यूनतम समर्थन मूल्य किसानों के लिए कानूनी अधिकार बनाकर की जा सकती है, जैसा कि कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) ने पहले भी सिफारिश की थी। कम आय को पूरा करने के लिए प्रत्यक्ष आय समर्थन के साथ इसका पालन करें ताकि आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार किया जा सके।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

ज्ञान गंगा

नींद

जग्गी वासुदेव

इस धरती पर बहुत से लोगों को जागते हुए भी ध्यान करने में समस्या हो रही है। बहुत सारे लोगों की हालत ऐसी है कि अगर उन्होंने अपने आप को बहुत कुछ करके तैयार न किया हो तो वे, एक घंटे के लिए ध्यान में बैठने पर मुश्किल से तीन मिनट ही ध्यान की अवस्था में रह पाते हैं। बार- बार, बार-बार, वे एक क्षण उसमें होते हैं और फिर कहीं और पहुंच जाते हैं। अपनी नींद में ध्यान कैसे किया जाए, यह सोचने की बजाय, आप का ध्यान करने का समय चाहे जितना भी हो, उसकी गुणवत्ता को बढ़ाना बेहतर है। कम से कम अपनी नींद को तो अपने सोचने से मत बिगाड़िए। बस, अच्छी तरह से सोइए, जैसे कि कहते हैं, 'लकड़ी के कुंदे (टुकड़े) की तरह सोइए'। अगर आप इस तरह नहीं सो सकते तो एक बिल्ली या कुत्ते की तरह सोइए। आध्यात्मिकता को अपनी नींद में लाने की कोशिश मत कीजिए। बस ऐसे सोइए, जैसे कि आप मर गए हों। मरे हुए लोगों के शरीर कड़े हो जाते हैं पर वे सब कुछ भरपूर होने की गहरी अवस्था में होते हैं। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं होती कि वे कैसे दिख रहे हैं? तो, इसी तरह से, जब आप सो रहे हों तो आप को इस बात की चिंता नहीं होनी चाहिए कि आप के साथ क्या हो रहा है? मैंने अमेरिका में एक बात देखी कि सुबह जब आप लोगों से मिलते हैं, तो बहुत से लोग पूछते हैं, 'क्या आप अच्छी तरह से सोये थे'? मुझे यह प्रश्न समझ नहीं आता था क्योंकि यह कोई मुद्दा ही नहीं था। पर अब मैं देखता हूं कि बहुत से लोगों के लिए नींद एक मुद्दा होती है। अगर आप अपनी नींद में ध्यान करने की कोशिश करेंगे तो नींद जरूर ही आपके लिए एक मुद्दा हो जाएगी। तो अपनी नींद को पूरी तरह से, भरपूर होने दीजिए। अगर आप एक मरे हुए आदमी की तरह सोना नहीं चाहते तो एक छोटे से शिशु की तरह सोइए। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मैकान ने इस बारे में एक सुंदर बात कही। ओबामा के खिलाफ चुनाव हारने के बाद जब लोगों ने उनसे पूछा, 'आप कैसे हैं'? तो वे बोले, 'मैं एक छोटे से शिशु की तरह सो रहा हूं। हर दो घंटे में उठता हूं, रोता हूं और फिर सो जाता हूं'। यह उस आदमी के लिए बहुत ही अद्भुत बात थी। अगर हारने पर भी आप हंसी-मजाक कर सकते हैं, तो एक छोटे शिशु की तरह सो सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

अमेरिका में महक रही एक तुलसी

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

'इस अस्त-व्यस्त दौर से मुकाबले की ऊर्जा श्रीमद् भगवद् गीता में है। इससे ही व्यक्ति को निश्चितता, शक्ति और शांति मिल सकती है। यह हम भगवान श्रीकृष्ण के सिखाये कर्मयोग व भक्तियोग के मार्ग के जरिये हासिल कर सकते हैं।' ये उद्गार अमेरिकी कांग्रेस की हिंदू सदस्य तुलसी गेबार्ड ने हाल ही में एक ऑनलाइन संबोधन में कहे, जबकि अमेरिका एक अफ्रीकी अमेरिकी फ्लॉयड की हत्या से उपजे आंदोलन से जूझ रहा है। तुलसी गेबार्ड अमेरिकी कांग्रेस में एकमात्र हिंदू सांसद हैं।वे तब सुर्खियों में आई थीं जब उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस में अपने पद की शपथ गीता को हाथ में रखकर ली थी। वह न भारतीय मूल की हैं और न ही जन्म से हिंदू हैं। मां से मिले संस्कारों के बाद उन्होंने हिंदू धर्म अपनाया। उनके पिता कैथोलिक धर्म को मानने वाले हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुलसी इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए दावेदारी जता रही हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि पार्टी उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं बनाती तो वह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव नहीं लड़ेंगी। बहरहाल, अमेरिका में यहूदियों के बाद दूसरे नंबर पर समृद्ध भारतीयों में वे खासी लोकप्रिय हैं। उन्हें हिंदू समाज की आवाज के रूप में देखा जाता है। तुलसी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुखर विरोधी रही हैं। यहां तक कि जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप के साथ आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में भाग लेने आये, तो वह उस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं। हालांकि, तुलसी प्रधानमंत्री मोदी की मुखर समर्थक रही हैं। बाद में सॉरी कहते हुए उन्होंने राष्ट्रपति पद की दावेदारी से जुड़े कार्यक्रम में अपनी व्यस्तता का हवाला दिया। हवाई राज्य से लगातार रिकॉर्ड मतों से जीतने वाली तुलसी राजनीति में आने से पहले सेना में रही हैं और मेजर के पद पर कार्य किया है। वे बारह महीने के लिए इराक में भी तैनात रह चुकी हैं। वह वर्ष 2013 से लगातार अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक सांसद हैं। तुलसी के भारतीय मूल के होने के कयास लगाये जाते रहे हैं, लेकिन वह अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। वह नरेंद्र मोदी की बड़ी समर्थक हैं। वर्ष 2014 में उन्होंने खुले तौर पर कई मंचों से उनका समर्थन किया। उन्हें अपनी एक गीता भी भेंट की। उन्होंने वर्ष 2002 में नरेंद्र मोदी को अमेरिका का वीजा न दिये जाने का विरोध किया था। साथ ही भारतीय देवयानी खोबरागड़ की गिरफ्तारी का भी मुखर विरोध किया। यहां तक कि उड़ी हमलों के बाद अमेरिकी संसद में पाकिस्तान के साथ संबंधों पर पुनर्विचार करने पर जोर दिया था। हिंदू मान्यताओं से गहरी जुड़ी तुलसी पूर्णत- शाकाहारी हैं। वह चैतन्य महाप्रभु के आध्यात्मिक आंदोलन गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय का अनुकरण करती हैं। यहां तक कि उनके भाई-बहन भी हिंदू हैं, जिनके नाम भक्ति, जय, नारायण और वृंदावन हैं। उनका मानना है कि श्रीमद् भगवद् गीता उनका आध्यात्मिक मार्गदर्शन करती है। वह कर्मयोग में गहरी आस्था रखती हैं। तुलसी भारत आने को लेकर उत्साहित हैं और खासकर वृंदावन जाना चाहती है। तुलसी ने वर्ष 2015 में अब्राहम विलियम से वैदिक रीति-रिवाज से विवाह किया था। अमेरिका के समाओ द्वीप समूह के लेलोआ लोआ में एक संभ्रांत राजनीतिक परिवार में 12 अप्रैल, 1981 में जन्मी तुलसी गेबार्ड के पिता माइक गेबार्ड हवाई द्वीप समूह की

राजनीति में अपनी खास पहचान रखते हैं। कालांतर तुलसी की मां कैरोल पोर्टर ने हिंदू धर्म अपना लिया। जब तुलसी एक साल की थीं तो उनका परिवार अमेरिका आकर बस गया। तुलसी की परवरिश मिलेजुले धार्मिक परिवेश में हुई क्योंकि जहां पिता कैथोलिक धर्म के अनुयायी थे, वहीं माता हिंदू धर्म को मानने वाली। लेकिन उनके पिता ने हिंदू पूजा-पद्धति का विरोध नहीं किया। तुलसी ने किशोर अवस्था में हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया। तुलसी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने घर पर ही की। कालांतर वर्ष 2009 में उन्होंने हवाई पैसिफिक यूनिवर्सिटी से बिजनेस प्रबंधन में स्नातक की डिग्री हासिल की। बाद में 16 साल तक सेना में सेवायें दी। वर्ष 2006 में अशांत इराक में तैनात रहीं। तुलसी 6 नवंबर, 2012 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए डेमोक्रेट सांसद के रूप में चुनी गई। वे अपने इलाके में रिकॉर्ड मतों से जीतती रही हैं। तुलसी भारत के साथ मजबूत अमेरिकी संबंधों की पक्षधर रही हैं। लेकिन आजकल राष्ट्रपति चुनाव में उनकी दावेदारी के खिलाफ अमेरिका में अभियान चलाया जा रहा है। उन्हें हिंदू राष्ट्रवादी बताया जा रहा है। लेकिन वे बेबाक होकर इसका विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा कि गैर-हिंदू नेताओं से कुछ न पूछना और अमेरिका के लिए उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाना दोहरे मापदंडों का परिचायक है। उन्होंने उनके समर्थकों व दानदाताओं के खिलाफ अभियान चलाने की आलोचना की। वह कहती हैं अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए पहली हिंदू अमेरिकी दावेदार होने पर मुझे गर्व है।

कोरोना के चलते भारत में 31 जुलाई तक बढ़ा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगा प्रतिबंध: डीजीसीए

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को कहा कि देश में अंतरराष्ट्रीय यात्री विमान सेवा पर रोक 31 जुलाई तक जारी रहेगी। डीजीसीए ने यह भी कहा कि अलग-अलग मामलों के आधार पर चुनिंदा हवाई मार्गों पर कुछ उड़ान सेवाओं की अनुमति दी जा सकती है। कोरोना वायरस के प्रसार को देखते हुए भारत में 23 मार्च से अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान सेवा पर पाबंदी है। डीजीसीए ने 26 जून को परिपत्र जारी कर कहा था कि यात्री उड़ान सेवाएं 15 जुलाई 2020 तक निलंबित रहेंगी। अपने निर्णय में बदलाव करते हुए डीजीसीए ने शुक्रवार को कहा कि यह समय सीमा बढ़ाकर 31 जुलाई 2020 तक कर दी गई है। परिपत्र में कहा गया कि हालांकि अलग-अलग मामलों के आधार पर चुनिंदा हवाई मार्गों पर कुछ उड़ानों की अनुमति दी जा सकती है। एअर इंडिया और अन्य निजी घरेलू विमानन कंपनियां वंदे भारत अभियान के तहत छह मई से विदेश में फंसे लोगों को वापस लाने के लिए उड़ानों का परिचालन कर रही हैं। देश के करीब 20 हवाईअड्डों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मिलती हैं। इन एयरपोर्ट्स से 55 देशों के 80 शहरों तक पहुंच सकते हैं। दुनिया के कई देश कोरोना की चपेट में हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक जारी रखना जरूरी है। स्टेटिस्टा के मुताबिक, भारत में 2019 में करीब 7 करोड़ लोगों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सफर किया।

हजारों करोड़ का नुकसान झेल चुकी रेलवे में नई भर्तियों पर रोक

नेशनल डेस्क। कोरोना संकट के बीच रेलवे ने आर्थिक मोर्चे पर बड़ा फैसला किया है। रेलवे ने नई भर्तियों पर रोक लगाने का ऐलान किया है। पिछले दो सालों के दौरान सृजित किए गए नए पदों की भी समीक्षा की जाएगी, साथ ही 50 प्रतिशत पदों को सरैंडर भी किया जाएगा। रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय और भारत सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अगले आदेश तक नए पदों के लिए बहाली नहीं होगी। हालांकि सुरक्षा संबंधी पदों पर बहाली को लेकर छूट दी गई है। रेलवे बोर्ड पिछले दो सालों के दौरान सृजित किए गए पदों का रिव्यू करेगा। अगर इन पदों के लिए अभी तक रिक्रटमैंट नहीं की गई है, ऐसे में या तो पूरी वैकेंसी रद्द कर दी जाएंगी अथवा फिर सुरक्षा संबंधी पदों को छोड़कर केवल 50 फीसदी बहाली की जाएगी। दरअसल, कोरोना लॉकडाऊन के कारण हजारों करोड़ का नुक्सान हुआ है और रोजाना हो रहा है। रेलवे ने अपने खर्च में कटौती का फैसला किया है। नई बहाली पर रोक, पुरानी बहाली पर जरूरत के हिसाब से कटौती का फैसला उसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। इससे इतर रेलवे अब प्राइवेट ट्रेनों के संचालन पर भी फोकस कर रहा है। माना जा रहा है कि 2023 तक इसकी शुरूआत हो जाएगी।

बांग्लादेशी व्यापारियों के विरोध के चलते पेट्रापोल सीमा से नहीं हुआ भारतीय निर्यात

कोलकाता। दो जुलाई (भाषा) बांग्लादेशी व्यापारियों और उनके कर्मचारियों की ओर से जारी विरोध प्रदर्शन के चलते बृहस्पतिवार को पेट्रापोल सीमा से बांग्लादेश को भारत से कोई निर्यात नहीं हुआ। बांग्लादेशी व्यापारियों ने भारत से उनके निर्यात को अनुमति देने की मांग को लेकर बुधवार से अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा है। उनका दावा है कि जब तक भारत बांग्लादेश से आयात को मंजूरी नहीं देता तब तक सीमा बंद रहेगी। विरोध प्रदर्शन करने वालों ने भारतीय ट्रकों के प्रवेश को बुधवार को कई घंटों तक रोके रखा। उन्होंने दावा किया किया कि जब तक भारत आयात की अनुमति नहीं देता है सीमा बंद रहेगी। उन्होंने दावा किया किया कि जब तक भारत आयात की अनुमति नहीं देता है सीमा बंद रहेगी। भारतीय निर्यातकों के महासंघ फियो के पूर्वी क्षेत्र के चेयरमैन सुशील पटवारी ने कहा, ''आज भारत से पेट्रापोल के जरिये कोई निर्यात नहीं हुआ।'' उन्होंने मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से हस्तक्षेप करने की मांग की।

जून तिमाही में म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम आठ प्रतिशत घटकर 25 लाख करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधित परिसंपत्तियां (एयूएम) 30 जून को समाप्त तिमाही में आठ प्रतिशत घटकर 25 लाख करोड़ रुपये रह गईं। मुख्य रूप से इक्विटी और ऋण श्रेणियों से निकासी की वजह से एयूएम में कमी आई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार 45 कंपनियों वाले उद्योग का औसत एयूएम (एएयूएम) अप्रैल-जून की तिमाही में आठ प्रतिशत घटकर 24.82 लाख करोड़ रुपए रह गया, जो इससे पिछली तिमाही में 27 लाख करोड़ रुपए था। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एयूएम 25.5 लाख करोड़ रुपए था। सैमको सिक्योरिटीज के रैंकएमएफ प्रमुख ओंकेश्वर सिंह ने कहा कि तिमाही दर तिमाही आधार पर उद्योग के एयूएम में आठ प्रतिशत की गिरावट आई। इसकी प्रमुख वजह यह रही है कि म्यूचुअल फंड योजनाओं की ज्यादातर संपत्तियों और श्रेणियों में शुद्ध निवेश का प्रवाह घट गया। उन्होंने कहा कि जून तिमाही में निफ्टी 24 प्रतिशत चढ़ गया, लेकिन इसके बावजूद ऋण और इक्विटी खंड में निकासी दबाव की वजह से म्यूचुअल फंड कंपनियों के एयूएम में कमी आई। फ्रैंकलिन टेंपलेटन मुद्दे से भी ऋण योजनाओं से निकासी बढ़ी। प्राइमइन्वेस्टर.इन की मोर्चे पर अनिश्चितता, नौकरियों पर संकट तथा वेतन कटौती की वजह से भी म्यूचअल फंड उद्योग की परिसंपत्तियों में कमी आई। शीर्ष पांचों म्यूचुअल फंड कंपनियों एसबीआई एमएफ, एचडीएफसी एमएफ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ, आदित्य बिड़ला सनलाइफ एमएफ और निप्पन इंडिया एमएफ सभी के औसत एयूएम में गिरावट आई।

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने कहा, वह सीबीआई जांच में पूरा सहयोग करेगा

मुंबई। दो जुलाई (भाषा) मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (मियाल) ने बृहस्पतिवार को कंपनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने पर आश्चर्य जताया। उसने यह भी कहा कि कंपनी मामले में जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुंबइ में हवाईअड्डे का परिचालन करने वाली मियाल जीवीके समूह की अगुवाई वाला समूह और भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण का संयुक्त उद्यम है। सीबीआई ने हवाईअड्डा परिचालन में 705 करोड़ रुपये की अनियमितता के मामले में जीवीके ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन वेंकट कृष्णा रेड्डी गणपति और उनके बेटे तथा मियाल के प्रबंध निदेशक जी वी संजय रेड्डी एवं अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उसके बाद कंपनी ने उक्त बयान दिया है। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को समूह के मुंबई और हैदराबाद स्थित दफ्तरों की भी तलाशी ली। मियाल के प्रवक्ता ने देर शाम एक बयान में कहा, ''सीबीआई के मियाल और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने को लेकर हम सभी अचंभित हैं। मियाल जांच में एजेंसी को हर संभव सहयोग देगी और जो भी दस्तावेज और स्पष्टीकरण मांगे गये हैं, वो सब उपलब्ध कराये जाएंगे।''

जियो प्लेटफॉर्म्स को मिला 12वां निवेशक, 1894 करोड़ रुपए का निवेश करेगी इंटेल कैपिटल

बिजनेस डेस्क। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के जियो प्लेटफॉर्म्स में लगातार कंपनियों की ओर से निवेश बढ़ता ही जा रहा है। कंपनी ने आज घोषणा की है कि इंटेल कैपिटल जियो प्लेटफॉर्म्स में 1,894.50 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। इस निवेश के साथ ही जियो प्लेटफॉर्म्स में 0.39 फीसदी इक्विटी की हिस्सेदारी इंटेल कैपिटल की हो जाएगी। दुनिया भर में बेहतरीन कम्प्यूटर चिप बनाने के लिए इंटेल को जाना जाता है। अब तक जियो प्लेटफॉर्म्स में 11 कंपनियां निवेश कर चुकी हैं और इंटेल कैपिटल जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश करने वाली 12वीं कंपनी है। इसके निवेश के साथ ही कंपनी का कुल निवेश 1,17,588.45 करोड़ रुपए हो जाएगा। जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश 22 अप्रैल को फेसबुक से शुरू हुआ था, उसके बाद सिल्वर लेक, विस्टा इक्विटी, जनरल अटलांटिक, केकेआर, मुबाडला और सिल्वर लेक ने अतिरिक्त निवेश किया था। बाद में अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी एल कैटरटन और ने भी निवेश की घोषणा की थी। इंटेल कैपिटल इनोवेटिव कंपनियों में विश्व स्तर पर निवेश करने के साथ, क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 5जी जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में काम करती है, जहां भी कार्यरत है।

पाकिस्तान में महंगाई ने तोड़े रिकॉर्ड, 1 लाख से भी महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना संकट के बीच महंगाई आसमान छू रही है। इस बीच भारत में सोने की कीमत काफी बढ़ गई है। 10 ग्राम सोने के दाम 50 हजार के करीब पहुंच गए हैं। वहीं, हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान की हालत तो बेहद खस्ता हो चुकी है। पाकिस्तान में अब आम आदमी के लिए सोना खरीदना एक सपने जैसा हो गया है। वहां सोने के दाम अपने सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। यह कीमत एक लाख रुपए प्रति तोला को भी पार कर चुकी है। पाकिस्तान की अखबार डॉन के अनुसार, महंगाई से बेहाल पाकिस्तान में सोने का दाम इस सप्ताह एक लाख रुपए प्रति तोले से भी ज्यादा हो गया। पाकिस्तान में महंगाई बेलगाम हो गई है और इससे आम आवाम की कमर टूट चुकी है। पाकिस्तान में एक तोला सोना 105,200 रुपए (पाकिस्तानी रुपए) का हो गया। इससे पहले 24 जून को भी सोने की कीमतों ने नया रिकॉर्ड बनाया था और यह उच्चतम स्तर पर 105,100 रुपए प्रति तोला पर पहुंच गया था। इस संदर्भ में एएसएसजेए के अध्यक्ष हाजी हारुन रशीद चंद ने कहा कि पाकिस्तान में सोना खरीदना आम आदमी के बस से बाहर हो चुका है। ऐसा इसलिए क्योंकि आम आदमी के लिए रोजाना के खर्चों को उठाना ही मुश्किल है। साथ ही पाकिस्तान की स्थिति को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते विदेशों से भी निवेश नहीं आ रहा है। मालूम हो कि पाकिस्तानी रुपये में दुनियाभर के दूसरे देशों की तुलना सबसे ज्यादा गिरावट आई है। दरअसल कोरोना वायरस महामारी की वजह से वैश्विक स्तर पर सोने की कीमत बढ़ रही हैं, जिसके कारण घरेलू बाजार में भी यह महंगा हुआ है। पाकिस्तान के जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर को भारी नुकसान हो रहा है। इतना ही नहीं,

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के पुराने ऑर्डर्स की पेमेंट भी फंसी हुई है। ऑल पाकिस्तान जेम्स ज्वैलर्स ट्रेडर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मुहम्मद अख्तर खान टेसोरी ने वाणिज्य मंत्रालय को सूचित किया कि 120 दिनों के भीतर देश से निर्यात होने वाली ज्वेलरी की पेमेंट मिलनी चाहिए। पाकिस्तान ने न सिर्फ विकसित अर्थव्यवस्थाओं, बल्कि भारत, चीन, बांग्लादेश और नेपाल जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भी सबसे बड़ी मुद्रास्फीति दर्ज की है। पाकिस्तानी स्टेट बैंक ने कहा कि रिटेल मार्केट में मूंग 220-260 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है।

कोरोना काल में आईटी विभाग ने 20 लाख से अधिक लोगों को दिया 62,361 करोड़ रुपए का रिफंड

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कोरोना काल में कुल 62,361 करोड़ रुपयों का रिफंड किया है। ये रिफंड 20 लाख से भी अधिक करदाताओं को दिया है। सरकार ने ये रिफंड इसलिए किया ताकि कोरोना महामारी के इस दौर में करदाताओं की मदद की जा सके। आयकर विभाग ने टैक्स रिफंड प्रति मिनट 76 केस के हिसाब से किया है। ये आंकड़ा 8 अप्रैल से 30 जून 2020 तक का है। 56 हफ्तों की इस अवधि में सीबीडीटी ने 20.44 लाख से भी अधिक मामलों में टैक्स रिफंड किया है। आयकर विभाग ने कहा है कि वह ना सिर्फ टैक्सपेयर फ्रेंडली है, बल्कि कोरोना महामारी जैसे मुश्किल वक्त में वह करदाताओं को पैसे भी मुहैया कराता है। कुल टैक्स रिफंड में से 23,453.57 करोड़ रुपए 19,07,853 टैक्सपेयर्स को दिए हैं, जबकि 38,908.37 करोड़ रुपए का कॉरपोरेट टैक्स 1,36,744 मामलों में रिफंड किया गया है। ये पैसे पूरी तरह से ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए और पैसे सीधे टैक्सपेयर्स के बैंक खातों में भेजे गए। कुछ साल पहले की तरह इस बार किसी को भी आयकर विभाग को रिफंड के लिए रिक्वेस्ट नहीं करनी पड़ी। सीबीडीटी ने कहा है कि सभी टैक्सपेयर्स तुरंत ही ईमेल का जवाब दें, ताकि जिनका रिफंड नहीं मिल सका है, वह भी मिल जाए।

भारत का ड्रैगन पर एक और बड़ा वार, चीन से बिजली उपकरणों का नहीं करेगा आयात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिजली मंत्री आर के सिंह ने शुक्रवार के कहा कि भारत अब चीन जैसे देशों से विद्युत उपकरणों का आयात नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाना जरूरी है क्योंकि ऐसा नहीं होने पर क्षेत्र व्यावहारिक नहीं होगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। वीडियो कांफेन्सिंग के जरिए आयोजित इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''प्रायर रेफरेंस कंट्री (पूर्व संदर्भित देशों) से उपकरणों की आयात की अनुमति नहीं होगी। इसके तहत हम देशों की सूची तैयार कर रहे हैं लेकिन इसमें मुख्य रूप से चीन और पाकिस्तान शामिल हैं। 'प्रायर रेफरेंस कंट्री की श्रेणी में उन्हें रखा जाता है जिनसे भारत को खतरा है या खतरे की आशंका है। मुख्य रूप से इसमें वे देश हैं जिनकी सीमाएं भारतीय सीमा से लगती हैं। इसमें मुख्य रूप से पाकिस्तान और चीन हैं। उन्होंने राज्यों से भी इस दिशा में कदम उठाने को कहा। सिंह ने यह बात ऐसे समय कही जब हाल में लद्दाख में सीमा विवाद के बीच भारत और चीन की सेना के बीच हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हो गए। उन्होंने कहा, ''काफी कुछ हमारे देश में बनता है लेकिन उसके बावजूद हम भारी मात्रा में बिजली उपकरणों का आयात कर रहे हैं। यह अब नहीं चलेगा। देश में 2018-19 में 71,000 करोड़ रुपए का बिजली उपकरणों का आयात हुआ जिसमें चीन की हिस्सेदारी 21,000 करोड़ रुपए है। मंत्री ने यह भी हा, ''दूसरे देशों से भी उपकरण आयात होंगे, उनका देश की प्रयोगशालाओं में गहन परीक्षण होगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं उसमें 'मालवेयर और 'ट्रोजन होर्स का उपयोग तो नहीं हुआ है। उसी के बाद उसके उपयोग की अनुमति होगी। मालवेयर ऐसा साफ्टवेयर या प्रोग्राम होता है जिससे फाइल या संबंधित उपकरणों को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं ट्रोजन होर्स मालवेयर सॉफ्टवेयर है जो देखने में तो उपयुक्त लगेगा लेकिन यह कंप्यूटर या दूसरे सॉफ्टवेयर को नुकसान पहुंचा सकता है। बिजली क्षेत्र में सुधारों का खाका रखते हुए उन्होंने कहा कि वितरण कंपनियां जबतक आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं होंगी, तबतक यह क्षेत्र व्यावहारिक नहीं होगा। कंपनियां जबतक आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं होंगी, तबतक यह क्षेत्र व्यावहारिक नहीं होगा। कंपनियां जबतक आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं होंगी, तबतक यह क्षेत्र व्यावहारिक नहीं होगा। उन्होंने राज्यों से बिजली संशोधन विधेयक, 2020 को लेकर कुछ तबकों द्वारा फैलाई जा रही भ्रांतियों को आधारहीन करार दिया। कुछ तबकों में यह दावा किया जा रहा है कि इस संशोधित विधेयक के जरिए केंद्र सरकार राज्यों के अधिकारों को छीनना चाहती है। सिंह ने स्पष्ट किया कि केंद्र का कोई ऐसा इरादा नहीं है बल्कि सुधारों का मकसद क्षेत्र को टिकाऊ और उपभोक्ता केंद्रित बनाना है। सिंह ने यह भी कहा कि मंत्रालय दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, एकीकृत बजली विकास योजना (आईपीडीएस) और उदय को मिलाकर नई योजना ला रहा है। उन्होंने कहा कि इस नई योजना में राज्य जितना चाहेंगे, उन्हें अनुदान और कर्ज के रूप में पैसा मिलेगा लेकिन उन्हें बिजली क्षेत्र में जरूरी सुधार करने होंगे ताकि वितरण कंपनियों की स्थिति मजबूत हो सके।

महंगे होने वाले हैं कपड़े, पोर्ट पर फंसा चीन से आने वाला टेक्सटाइल का बहुत सारा सामान!

मुंबई (एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच बढ़ते तनाव की वजह से अब कपड़े महंगे होने वाले हैं। इसकी वजह ये है कि अब चीन से कपड़े और उसे बनाने की मशीनों से जुड़ा सामान भारत नहीं आ पा रहा है। चीन से बटन, मेटल और सिलाई मशीनें भारत आती हैं। तिरुपुर एक्सपोर्टर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट राजा शानमुगम ने कहा कि भारत में सबसे बड़ा कपड़ा बनाने का हब तिरुपुर में है, जो 90 फीसदी तक चीन से आने वाले फास्टनर, बटन, सिलाई मशीन, निडल लेपल पिन और टेक्सटाइल मटीरियल पर निर्भर है। बल्कि यूं कहिए कि भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री की पूरी चेन ही प्रभावित होने वाली है। राजा ने कहा कि चीन से आया हुआ कई टन सामान तो पोर्ट पर फंसा हुआ है। जब तक हम वो सारा सामान किसी और इंडस्ट्री से लाने की व्यवस्था कर पाएंगे, तब तक इंडस्ट्री को भारी नुकसान हो चुका होगा। दरअसल, टेक्सटाइल से जुड़ा ये सारा सामान तुर्की, ताईवान, वियतनाम और थाईलैंड से भी मिल सकता है।

हालांकि, ये भी सच है कि बहुत सारी जरूरी एसेसरीज और मशीनों के स्पेयर पार्ट सिर्फ चीन में ही मिलते हैं। जो निर्यातक विदेशी ब्रांड्स के लिए कपड़े बनाते हैं। उनका कहना है कि जरूरी एसेसरीज ना होने की वजह से उनके एक्सपोर्ट ऑर्डर्स में देरी हो रही है। एक कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर ने नाम ना बताते की शर्त पर कहा कि स्पेशल बटन, जिप और ब्रांडिंग टैग चीन से आयात करते हैं। बहुत सारे इंटरनेशनल ब्रांड के टैग और अन्य ब्रांडिंग मटीरियल चीन में ही बनते हैं।

आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत 30 जून तक 2.13 करोड़ प्रवासी मजदूरों को मुफ्त खाद्यान्न वितरित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के अनुसार राज्यों ने आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत 30 जून तक 2.13 करोड़ प्रवासियों को मुफ्त खाद्यान्न वितरित किया है जबकि आरंभिक अनुमान 2.8 करोड़ लोगों के योजना के दायरे में आने का था। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि राज्यों को 15 जुलाई तक अंतिम आंकड़े देने को कहा गया है। इसके बाद योजना के तहत लाभान्वित प्रवासियों की संख्या बढ़ सकती है। आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत, केंद्र ने फैसला किया था कि लगभग आठ करोड़ प्रवासी मजदूरों, संकट में फंसे और जरूरतमंद परिवारों को आठ लाख टन खाद्यान्न प्रदान किया जाएगा, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) या राज्य की सार्वजनिक वितरण प्रणाली कार्ड योजना (पीडीएस) के अंतर्गत नहीं आते हैं। योजना के तहत मई और जून के लिए प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम खाद्यान्न और प्रति परिवार प्रति माह एक किलो दाल की आपूर्ति की जानी थी। एक सरकारी बयान के अनुसार खाद्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को लगभग आठ लाख टन खाद्यान्न (सात लाख टन चावल और एक लाख टन गेहूं) की कुल मात्रा आवंटित की थी। बयान में कहा गया है, चूंकि देश भर में प्रवासियों, फंसे हुए प्रवासियों की वास्तविक, अनुमानित संख्या पर कोई आंकड़ा खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पास उपलब्ध नहीं है, इसलिए आठ करोड़ प्रवासी श्लोगों (जो कुल 80 करोड़ एनएफएसए आबादी का 10 प्रतिशत भाग है) का एक मोटा अनुमान लगाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि राज्य सरकारों को वितरण के मामले में पूर्ण स्वतंत्रता दी गई थी और वे उन्हें भी इस अतिरिक्त राशन को वितरित करने के लिए स्वतंत्र थे, जिनके पास कोई राशन कार्ड नहीं था।

बयान में कहा गया, यह संतोषप्रद है कि जरुरतमंद लोगों को खाना खिलाया जा सका और यह राहत की बात है कि शुरुआती आठ करोड़ के अनुमान के मुकाबले यह संख्या काफी कम यानी 2.13 करोड़ रही। अभी तक वास्तव में, राज्यों ने लगभग 6.4 लाख टन खाद्यान्न का उठाव किया है।

जून में लगातार चौथे माह सेवा क्षेत्र में गिरावट, बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में जून में लगातार चौथे महीने गिरावट आई है। एक मासिक सर्वे में शुक्रवार को कहा गया है कि कोविड-19 महामारी की वजह से नए ऑर्डर कम हुए हैं और कारोबारी परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जून में आईएचएस मार्किट इंडिया सर्विसेज का कारोबारी गतिविधियों का सूचकांक 33.7 रहा। यह मई में 12.6 रहा था। इस वृद्धि के बावजूद जून में लगातार चौथे महीने भारतीय सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में गिरावट आई है। आईएचएस मार्किट इंडिया सर्विसेज के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के अनुसार, 50 से ऊपर का मतलब विस्तार से और 50 से नीचे का आशय गिरावट से होता है। आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री जोए हायस ने कहा कि देश में कोरोना वायरस संकट की स्थिति और गंभीर होने से भारत के सेवा क्षेत्र जून में भी गिरावट में रहा। उन्होंने कहा कि इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था नीचे आ रही है। यदि यह संक्रमण काबू में नहीं आता है, तो इसका प्रभाव इस साल की दूसरी छमाही में भी देखने को मिलेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मई में ऐतिहासिक छंटनी के बाद कंपनियों ने जून में भी छंटनी जारी रखी। कंपनियों का कहना है कि काम नहीं होने के कारण उन्होंने छंटनी की है। कुछ कंपनियों का यह भी कहना है कि काम करने के लिए कर्मचारी मिल ही नहीं रहे हैं। मार्च की तुलना में अप्रैल में और अप्रैल की तुलना में मई में भारी गिरावट रही थी। उस लिहाज से मई के मुकाबले जून की गिरावट कम रही। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़कर 6,25,544 हो गए हैं। अब तक इस महामारी से 18,213 लोगों की जान गई है। हायस ने कहा कि कुछ कंपनियों की गतिविधियां स्थिर हुई हैं लेकिन लॉकडाउन में ढील के बाद ऐसा होना स्वाभाविक है। इससे जून का पीएमआई आंकड़ा बढ़ा है लेकिन निश्चित रूप से यह उत्साहवर्धक संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्वे में शामिल एक बड़ा हिस्सा अब भी गतिविधियों में गिरावट और ऑर्डर घटने की जानकारी दे रहा है। यह भारत के लिए घरेलू मोर्चे पर एक चुनौतीपूर्ण तस्वीर को दिखता है। सर्वे के अनुसार 59 प्रतिशत कंपनियों का कहना है कि जून में उनके उत्पादन में मई की तुलना में कोई बदलाव नहीं आया है। सिर्फ चार प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि उनका उत्पादन बढ़ा है। 37 प्रतिशत कंपनियों के उत्पादन में गिरावट आई है। इस बीच, जून में नए ऑर्डरों में अधिक तेजी से गिरावट आई। कंपनियों ने कहा कि इसकी वजह उपभोग में कमी है। कुछ मामलों में प्रतिकूल माहौल के बीच ग्राहकों ने अपना कारोबार ही बंद कर दिया है। इसके अलावा निर्यात बिक्री में भी बड़ी गिरावट आई है।

एयरटेल के अजय पुरी सीओएआई के चेयरमैन, जियो के मित्तल वाइस-चेयरमैन बने

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दूरसंचार कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले शीर्ष संगठन 'सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (सीओएआई) ने भारती एयरटेल के मुख्य परिचालन अधिकारी अजय पुरी को संगठन का चेयरमैन नियुक्त किए जाने की घोषणा की है। साथ ही रिलायंस जियो के पी. के मित्तल को वर्ष 2020- 21 के लिए संगठन का वाइस-चेयरमैन बनाया गया है। सीओएआई की वित्त वर्ष 2019-20 की वार्षिक आम सभा बृहस्पतिवार को संपन्न हुई जिसमें 2020-21 के लिए संगठन के नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। पुरी एयरटेल के भारत और दक्षिण एशिया कारोबार के मुख्य परिचालन अधिकारी हैं। वह वोडाफोन आइडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंदर ठक्कर का स्थान लेंगे। सीओएआई के चेयरमैन की नियुक्ति क्रमिक आधार पर की जाती है। मित्तल रिलायंस जियो इंफोकॉम के अध्यक्ष हैं। इससे पहले वह दूरसंचार विभाग में उप-महानदेशक रह चुके हैं। यह पहला मौका है जब जियो की ओर से कोई सीओएआई के पदाधिकारियों में शामिल हुआ है। इस बारे में पुरी ने कहा, ''यह भूमिका संभालना मेरे लिए सौभाग्य की बात है और मुझे इस जिम्मेदारी के लायक समझने के लिए मैं सीओएआई के सभी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहूंगा। कोविड- 19 महामारी के प्रभाव से उबरने के साथ ही इस उद्योग की ओर से मैं सरकार के प्रयासों में सहयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता दोहराना चाहूंगा। वहीं मित्तल ने कहा, ''सीओएआई के वाइस चेयरमैन के तौर पर जिम्मेदारी संभालना खुशी की बात है और मैं अंतिम उपभोक्ता के लाभ के लिए उपायों की शुरूआत करते हुए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

द्वितीय फीडे महिला ऑनलाइन ग्रां प्री - वैशाली नें पूर्व विश्व चैम्पियन अन्ना मुजयचूक को हराया

मॉस्को । फीडे महिला स्पीड शतरंज ग्रां प्री का दूसरा चरण शुरू हो चुका है और इसमें एक बार फिर भारत की 19 वर्षीय खिलाड़ी वैशाली आर नें शानदार जीत के साथ खाता खोला है और प्ले ऑफ जीतकर क्वाटर फ़ाइनल मे जगह बना ली है । उन्होने लगातार दूसरी बार शानदार खेल से किसी पूर्व विश्व चैम्पियन को पराजित किया है । इस बार उनके सामने थी यूक्रेन की पूर्व विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ चैम्पियन अन्ना मुजयचूक । दोनों के बीच कुल 10 मुक़ाबले हुए जिसमें वैशाली नें 6-4 से जीत दर्ज करते हुए अगले राउंड मे जगह बनाई । एक समय वैशाली 4-2 से पीछे चल रही थी पर इसके बाद उन्होने लगातार 4 मैच जीतकर बाजी पलट दी । अब क्वाटर फ़ाइनल मे उनके सामने रूस की अनुभवी खिलाड़ी गुनिना वालेंटीना होंगी जो वियतनाम की ले ताओ फाम को 7.5-4.5 से मात देकर यहाँ पहुंची है । वही भारत की हरिका द्रोणावल्ली को पहले ही राउंड मे उक्रेन की अन्ना उशेनिना से हार का सामना करना पड़ा और उन्हे अन्ना नें 7-4 के अंतर से मात दी ।

खिलाड़ियों का घुटना टेकना सिर्फ दिखावा, रंगभेद के खिलाफ मजबूत कानून बनाने की सबसे ज्यादा जरूरत: वेस्टइंडीज के ब्रेथवेट

वेस्टइंडीज (एजेंसी)।

ऑलराउंडर कार्लोस ब्रेथवेट ने कहा कि रंगभेद के विरोध को लेकर खिलाड़ियों का घुटने टेकना सिर्फ दिखावा है। इस भेदभाव को समाज से खत्म करने के लिए मजबूत कानून बनाने की सबसे ज्यादा जरूरत है। हाल ही में अमेरिका में अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद दुनियाभर में खिलाड़ियों ने मैदान पर घुटने के बल बैठकर रंगभेद के खिलाफ विरोध जताया है। विरोध का यह एक सिंबल बन गया है। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच 8 जुलाई से 3 टेस्ट की सीरीज खेली जानी है। इसके साथ ही कोरोनावायरस के बीच करीब 3 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी हो रही है। इस सीरीज में रंगभेद के खिलाफ अभियान को सपोर्ट करने के लिए वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाड़ी ब्लैक लाइव्स मैटर लोगो वाली टी-शर्ट पहनेंगे। ब्रेथवेट के हवाले से बीबीसी ने लिखा, ''मैदान पर घुटने टेकना या फिर बैज लगाना ही काफी नहीं है। अब मानसिकता में बदलाव लाना होगा। मेरे हिसाब से यह एक दिखावा है। एक बड़े तौर पर बदलाव के लिए कानून में बदलाव करना होगा। समाज में भी लोगों को मानसिकता बदलने की जरूरत है।'' ब्रेथवेट ने कहा, ''जब हम किसी सुपरमार्केट में काले व्यक्ति को देखते हैं, तो हम खुद ही सोच लेते हैं कि वह गलत व्यक्ति होगा। इसके बाद गार्ड आता है इसके बाद गार्ड आता है इसके बाद गार्ड आता है और उसे बाहर निकाल देता है। यह एक बड़ा मुद्दा है कि क्यों हमारी सोच इतनी छोटी है। इस पर चर्चा करने की बजाय हम घुटने टेक देते हैं।'' बारबाडोस के जोफ्रा आर्चर इंग्लैंड के स्टार गेंदबाज बनकर उभरे हैं। इस पर ब्रेथवेट ने कहा कि उसकी सफलता ने दुनियाभर में मौजूद उसके जैसे कई जोफ्रा आर्चर के लिए रास्ते खोल दिए हैं। इंग्लैंड ने 2019 वर्ल्ड कप खिताब जीता था। टूर्नामेंट में आर्चर टीम के लिए अहम खिलाड़ी साबित हुए थे। उन्होंने फाइनल में सुपर ओवर फेंका था। अमेरिका के मिनेपोलिस में 26 मई को धोखाधड़ी के एक मामले में फ्लॉयड को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान एक पुलिस अफसर ने फ्लॉयड को सड़क पर ही गिरा दिया था और अपने घुटने से उसकी गर्दन को करीब 8 मिनट तक दबाए रखा। इस कारण उसकी मौत हो गई थी। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था। फ्लॉयड की मौत के बाद दुनियाभर के खेल जगत में भी रंगभेद के खिलाफ विरोध शुरू हो गया था। वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर, डेरेन सैमी, क्रिस गेल, ड्वेन ब्रावो समेत कई खिलाड़ियों ने भी विरोध जताया। इसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भी इन खिलाड़ियों का सपोर्ट किया था। जेसन होल्डर (कप्तान), जर्मीन ब्लैकवुड, नक्रुमाह बोन्नेर, क्रैग ब्रेथवेट, शेमार ब्रूक्स, जॉन कैंपबेल, रोस्टन चेस, रहकीम कॉर्नवाल, शेन डॉरिच, शेनन गेब्रियल, केमार होल्डर, शाई होप, अल्जारी जोसेफ, रैमन रैफर और केमार रोच।

विराट कोहली से तुलना होने पर बोले पाक कप्तान बाबर आजम, कही बड़ी बात

कराची (एजेंसी) ।

पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम भारतीय कप्तान विराट कोहली से लगातार तुलना से उकता गए हैं और उनका कहना है कि पाकिस्तान के महान बल्लेबाजों से उनकी तुलना होनी चाहिए। कोहली से छह साल छोटे बाबर को विभिन्न प्रारूपों में कोहली के जबर्दस्त रिकार्ड के करीब पहुंचने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। भारतीय कप्तान के खाते में 70 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं और तीनों प्रारूपों में उनका औसत 50 से अधिक है। दरअसल, बाबर ने एक आनलाइन मीडिया सत्र में कहा, 'मुझे अधिक खुशी होगी अगर मेरी तुलना जावेद मियांदाद, मोहम्मद युसूफ या यूनिस खान से होग। कोहली या किसी अन्य भारतीय से तेरी तुलना क्यों। बाबर ने 16 अंतरराष्ट्रीय शतक जमाए हैं और वनडे था टी20 में उनका औसत 50 से अधिक है जबकि टेस्ट में उनका औसत 45.12 है । उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला में किसी एक गेंदबाज को वह निशाना नहीं बनाएंगे। बाबर ने आगे कहा, 'मैं यह नहीं देखता कि गेंदबाज कौन है या उसकी कैसी साख है। मैं हर गेंद को उसकी गुणवत्ता के आधार पर खेलता हूं। इंग्लैंड के पास उम्दा गेंदबाज है और उन्हें घर पर खेलने का फायदा मिलेगा लेकिन इस तरह की चुनौती में ही मैं रन बनाना चाहता हूं। बाबर ने कहा कि वह टेस्ट मैच में तिहरा शतक बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप शतक बनाते हैं तो उसे दोहरे शतक में और दोहरे को तिहरे शतक में बदलना चाहते हैं । मैं भी यही करना चाहूंगा।

हमारी टीम एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त थी : सुमन

इंफाल । जूनियर भारतीय हॉकी टीम की कप्तान सुमन देवी थोडम ने कहा है कि जूनियर महिला टीम जापान में होने वाले 2020 जूनियर एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त थी लेकिन देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के मद्देनजर लगाए गए लॉकडाउन के कारण इसकी तैयारी फिलहाल थम गई। 2020 महिला हॉकी जूनियर एशिया कप की शुरुआत इस वर्ष जापान में छह अप्रैल से होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इस टूर्नामेंट को स्थगित करना पड़ा। सुमन ने कहा- हम मार्च के पहले सप्ताह से नेशनल कोचिंग कैंप में थे और हम जूनियर एशिया कप में बहुत अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयारी कर रहे थे क्योंकि एशिपा कप में अच्छा खेलने का लाभ हमें तैयारी कर रहे थे क्योंकि एशिपा कप में अच्छा खेलने का लाभ हमें दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप 2021 में मिलता। सुमन ने पिछले वर्ष चार देशों के कैंटर फिट्जेराल्ड अंडर-21 टूर्नामेंट और बेलारूस टूर में भारतीय महिला टीम का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया था। उन्होंने पिछले वर्ष दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में हुए तीन देशों के टूर्नामेंट में टीम के बेहतरीन प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

टी -20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर चिंतित नहीं पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी, दिया बंडा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी आस्ट्रेलिया के अक्टूबर-नवंबर में टी20 विश्व कप की मेजबानी की संभावना को लेकर चिंतित हैं और उनका कहना है कि कोविड-19 महामारी के बीच 16 टीमों का टूर्नामेंट 'लॉजिस्टिक के हिसाब से दुस्वप्न साबित हो सकता है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) पहले ही कह चुका है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए टी20 विश्व कप कप आयोजन समय पर करना थोड़ा 'अव्यावहारिक है लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को इस पर अभी फैसला करना है। हसी को भी इस साल टूर्नामेंट के आयोजन की संभावना नहीं दिखती। हसी ने पोडकास्ट 'हॉटस्पॉट में कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं टी20 विश्व कप के बारे में थोड़ा डरा हुआ हूं और इसके पीछे कारण है कि मुझे लगता है कि एक टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिये लाना ठीक है और उन्हें पृथकवास में रखना, सुरक्षित रखकर श्रृंखला की अच्छी तैयारी कराना ठीक है। उन्होंने कहा, ''लेकिन कई टीमों को लाना और उन्हें पृथकवास में रखकर तैयारी कराना और फिर देश में विभिन्न स्थलों तक ले जाना, मुझे लगता है कि यह सब 'लॉजिस्टिक के लिहाज से दुस्वप्न ही होगा। हम जो सुन रहे हैं, उससे शायद टी20 विश्व कप को 2021 या फिर 2022 तक के लिये स्थगित किया जाना चाहिए। भारत को टी20 विश्व कप के बाद आस्ट्रेलिया का दौरा करना है और हसी के अनुसार इसके योजना के अनुसार होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''मैं भारतीय टीम के आस्ट्रेलिया के दौरे में काफी सकारात्मक हूं कि यह होगा क्योंकि यहां केवलएक ही टीम आयेगी और उन्हें एक जगह रखना आसान होगा। एक ही टीम आयेगी और उन्हें एक जगह रखना आसान होगा। हसी ने कहा, 'उदाहरण के तौर पर एडीलेड ओवल ने हाल में एक होटल बनाया है जो स्टेडियम से जुड़ा हुआ है इसलिये भारतीय टीम वहां अपना बेस बना सकती है, ट्रेनिंग कर सकती है और श्रृंखला की तैयारी कर सकती है और आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

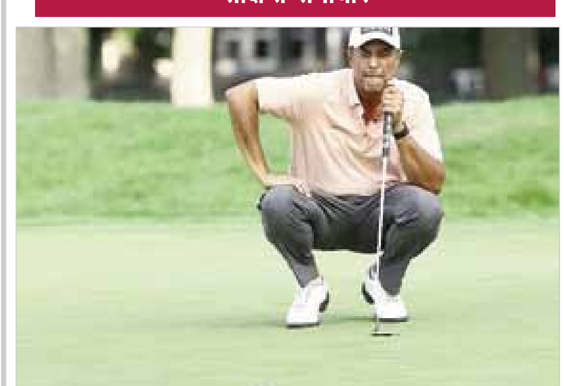

प्रतिस्पर्धी गोल्फ में अर्जुन अटवाल का दो अंडर 70 स्कोर, 68वें स्थान पर

डेट्रोएट। चार महीने बाद प्रतिस्पर्धी गोल्फ में लौटे भारत के अर्जुन अटवाल ने रॉकेट मोर्गेज क्लासिक में अपने अभियान का आगाज दो अंडर 70 के स्कोर के साथ किया। अटवाल संयुक्त 68वें स्थान पर हैं जबकि शीर्ष पर काबिज डॉक रेडमैन, स्कॉट स्टालिंग्स और केविन किसनेर उनसे पांच शॉट आगे हैं। छह अन्य खिलाड़ी दूसरे स्थान पर हैं। कोरोना वायरस महामारी के बीच अटवाल चार महीने के ब्रेक के बाद कोर्स पर लौटे हैं।

कोरोना काल में मोहम्मद शमी ने शुरू की प्रैक्टिस, मैदान पर बहाया जमकर पसीना

स्पोर्ट्स डेस्क। कोरोना वायरस के कारण सभी खिलाड़ी तकरीबन 3 महीने से अपने घरों में रहे है। जहां उन्हें पहली बार अपनी फैमली के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिला है। खेल से जुड़ी कुछ गतिविधियां विश्व में शुरू हो गई है। ऐसे में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। फैंस भी जमकर लुत्फ उठा रहे है। दरअसल, शमी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर ट्वीट करते हुए कैप्शन लिखा, क्वालिटी प्रैक्टिस सेशन क्रिकेट बैट और बाग़ी भाइयों के साथ मेरा फार्महाउस हाउस में.. बता दें इस वीडियो में शमी अपने बाइयों के साथ पिच पर गेंदबाजी कर रहे है, और प्रैक्टिस करके अपने फिटनेस को फिर से परफेकट करने में लगे है। जिसके बाद फैंस ने उनकी जमकर तारीफ की। गौरतलब है कि शमी ने कुछ दिन पहले अपने फैंस के साथ एक फोटो शेयर किया था। उसमें उनका पालतू कुत्ता जैक भी मौजूद था। उन्होंने वीडियो को कैप्शन दिया था कि स्पीड वर्क जैक के साथ। इस वीडियो में जैक के साथ शमी अपने खेतों में तेजी से दौड़ लगाते दिखाई दे रहे हैं। लगभग पूरी दौड़ के दौरान शमी अपने कुत्ते को पछाड़े रखते हैं, लेकिन आखिरी पलों में जैक अचानक अपनी गति बढ़ाते हुए शमी की बराबरी कर लेता है मानो अभी तक वह शमी को जीतने का मौका दे रहा था।

कोरोना वायरस महामारी के बावजूद टिकटों की बिक्री शुरू करेगा फ्रेंच ओपन

पेरिस। कोरोना वायरस महामारी के बावजूद फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन स्टेडियम में दर्शकों की मौजूदगी में होगा और इसके लिए टिकटों की बिक्री जल्द ही शुरू की जाएगी। कोरोना वायरस महामारी के कारण फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट को स्थगित किया गया है और अब इसका आयोजन सितंबर में होगा। फ्रेंच टेनिस महासंघ (एफएफटी) ने ट्विटर पर लिखा कि 16 जुलाई से आम लोगों के लिए टिकटों की बिक्री शुरू की जाएगी। एफएफटी ने हालांकि विस्तृत जानकारी नहीं दी कि 27 सितंबर से 11 अक्टूबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए कितने प्रशंसकों को रोलां गैरो पर आने की स्वीकृति होगी।

क्रिकेट में आया 2020 का सबसे बड़ा घोटाला, श्रीलंकाई लीग का मैच चंडीगढ़ में खेला गया!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चंडीगढ़ में खेले गए एक टी20 मैच की ऐसे ऑनलाइन स्ट्रीमिंग की गई जैसे यह मैच श्रीलंका में खेला गया हो और बीसीसीआई की भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू), पंजाब पुलिस और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड इसकी जांच में जुटे हुए है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने इसमें शामिल होने से इनकार किया है और कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया। दरअसल, शुक्रवार को रिपोर्ट के अनुसार यह मैच 29 जून को खेला गया था जो चंडीगढ़ से 16 किलोमीटर दूर सवारा गांव में हुआ था लेकिन इसे श्रीलंका के बादुला शहर में 'यूवा टी20 लीग मैच के तौर पर स्ट्रीम किया गया। बादुला शहर यूवा प्रांतीय क्रिकेट संघ का घरेलू मैदान है। पंजाब पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिये इसकी जांच चल रही है कि कहीं इसमें सट्टेबाजी गिरोह तो शामिल नहीं था और बीसीसीआई भी इसमें शामिल होने वाली की जानकारी हासिल करने के लिये इस पर नजर लगाए है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि उसे श्रीलंका में इस तरह की मैच की योजना की कोई जानकारी नहीं है। बीसीसीआई की भ्रष्टाचार रोधी इकाई के प्रमुख अजीत सिंह ने कहा, 'हमारी जांच प्रक्रिया जारी है। जब हम इसमें शामिल लोगों के बारे में जान जाएंगे, हम अपना डाटाबेस अपडेट कर देंगे। हम जानना चाहेंगे कि कौन इसमें शामिल थे। हालांकि केवल पुलिस ही इस पर कार्रवाई कर सकती है। बीसीसीआई एजेंसी के तौर पर यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। उन्होंने कहा, 'अगर यह बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त लीग होती या फिर इसमें खिलाड़ियों की भागीदारी होती तो हम उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकते थे। अगर यह सट्टेबाजी के उद्देश्य से किया गया है तो यह अपराध है और यह पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है, हम कुछ नहीं कर सकते। श्रीलंका क्रिकेट ने एक बयान में कहा, 'न तो श्रीलंका क्रिकेटबोर्ड और न ही इसकी मान्यता प्राप्त इकाई को 'यूवा प्रीमियर लीग टी20 के नाम से हुए फंतासी टूर्नामेंट की जानकारी है और न ही कोई इसके आयोजन में शामिल है। बोर्ड और न ही इसकी मान्यता प्राप्त इकाई को 'यूवा प्रीमियर लीग टी20 के नाम से हुए फंतासी टूर्नामेंट की जानकारी है और न ही कोई इसके आयोजन में शामिल है। बयान के अनुसार, 'पता चला कि कई भारतीय वेबसाइट में 29 जून को स्कोरबोर्ड दिखाया गया था कि यूवा प्रीमियर लीग टी20 का मैच बादुला स्टेडियम में खेला जा रहा है लेकिन श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड यह पुष्टि करना चाहता है कि इस तरह का कोई टूर्नामेंट श्रीलंका में नहीं किया गया और न ही आयोजित किया जायेगा। मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह चहल ने कहा कि जांच चल रही है। उपाधीक्षक के पी सिंह ने कहा कि उन्हें इस मैच के बारे में ऑनलाइन शिकायत मिली थी। उन्होंने कहा कि गुरूवार रात को दो व्यक्तियों पंकज जैन और राजू को गिरफतार भी किया गया। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एशले डि सिल्वा ने कहा कि उन्होंने भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी को इस मामले को देखने को कहा है।

मुझे पिच को भांपना नहीं आता था, धोनी ने सिखाया, उनकी कमी खलेगी : कुलदीप यादव

नई दिल्ली । महेंद्र सिंह धोनी से मैदान पर काफी बारीकियां सीखने वाले भारतीय लेग स्पिनर कुलदीप यादव को उनकी कमी खलती है और उनका मानना है कि विकेट के पीछे पूर्व कप्तान के रहने से उनके जैसे गेंदबाजों को काफी मदद मिलती थी । धोनी ने पिछले साल विश्व कप के बाद से क्रिकेट नहीं खेला है। आईपीएल के जरिए उनकी वापसी के कयास लगाये जा रहे थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण आईपीएल स्थगित हो गया है। कुलदीप ने कहा कि मैदान पर धोनी की कमी उन्हें खलती है जो विकेट के पीछे से काफी मददगार साबित होते थे। कुलदीप ने दीप दासगुप्ता के साथ बातचीत के दौरान कहा- मैंने जब कैरियर की शुरूआत की तो मैं पिच को भांप नहीं पाता था। धोनी के साथ खेलने के बाद मैंने वह सीखा। वह बताते थे कि गेंद को कहां स्पिन कराना है। वह फील्ड जमाने में भी माहिर थे। उन्हें पता होता था कि बल्लेबाज कहां शॉट खेलेगा और उसी के हिसाब से फील्ड लगाते थे। उन्होंने कहा- इससे मुझे अधिक आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी में मदद मिली। जब से वह वनडे क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं, यह भी चला गया। कुलदीप का कहना है कि आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स ऐसे दो बल्लेबाज हैं जिनके बल्ले पर अंकुश लगाना सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। पिछले साल लंबे समय खराब दौर का सामना करने वाले यादव ने कहा कि दोनों बल्लेबाजों में अनूठी क्षमतायें हैं। कुलदीप ने कहा- स्मिथ ज्यादातर बैकफुट पर खेलते हैं और काफी देर से भी खेलते हैं लिहाजा उन्हें गेंद डालना चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने कहा- वनडे में एबी डिविलियर्स बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनका अलग ही अंदाज है। अब वह खेल को अलविदा कह चुके हैं जो अच्छी बात है। इनके अलावा मुझे और किसी बल्लेबाज से उतना डर नहीं लगा। पिछले साल के खराब फार्म के बारे में उन्होंने कहा कि उनकी तरकश में कुछ तीर कम थे और टीम में लगातार नहीं होने से भी उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा। उन्होंने कहा- मैंने विश्व कप 2019 के लिए जाने से पहले काफी तैयारी थी लेकिन मैं आईपीएल की विफलता से उबरना चाहता था। मैंने ज्यादा विकेट नहीं लिए लेकिन विश्व कप में अच्छी गेंदबाजी की।

आईपीएल में वापसी करना चाहते है टीम इंडिया के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का मानना है कि अगर आईपीएल 2021 में मझे खेलने का मौका मिलता है तो मैं इन 2 टीमों में खेला पसंद करूंगा। बता दें, श्रीसंत को कुछ दिन पहले करेल क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें रणजी क्रिकेट टीम में खेलने की अनुमति मिली है। जिसके बाद श्रीसंत अपनी वापसी की राह पर लग गए है। दरअसल, एक क्रिकेट वेबसाइट से बातचीत के दौरान एस श्रीसंत ने कहा, मैं अपना नाम आईपीएल 2021 ऑक्शन में डालूंगा। मैं जो भी टीम में चुना जाउंगा उसमें खेलूंगा। लेकिन क्रिकेट प्रशंसक के रूप में तो ये मैन इन ब्ल्यू मुंबई इंडियंस होगी वो भी सचिन पाजी के कारण। मैंने सचिन तेंदुलकर से मिलने के लिए ही क्रिकेट खेला है। अगर मुझे मुंबई इंडियंस के लिए खेलने का मौका मिलता है तो क्यों नहीं, ड्रेसिंग रूम में सचिन पाजी से सीखना बहुत अच्छी बात होगी। गौरतलब है कि 2007 टी20 विश्व कप हो या 2011 एकदिवसीय विश्व कप, दोनों ही मैच विनिंग टीम का हिस्सा रहे एस श्रीसंत को 2013 में मैच फिक्सिंग विवादों के फंसे थे। राजस्थान रॉयल्स के श्रीसंत व उनके 2 साथी खिलाड़ी अजीत चांडिला और अंकित छवन को गिरफतार किया था। बीसीसीआई ने इसके बाद तीनों खिलाड़ियों पर लाइफटाइम बैन कर दिया था। जिसके बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट से बैन से मुक्ति मिल गई थी।

इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन में दिखे कोरोना के लक्षण

इंग्लैंड । ऑलराउंडर सैम करन वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से 5 दिन पहले बीमार हो गए हैं। उनमें कोरोनावायरस के लक्षण दिखाई दिए हैं। करन होटल में ही सेल्फ-आइसोलेशन में हैं। यह जानकारी इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को दी। करन अब वॉर्म-अप मैच भी नहीं खेलेंगे। ईसीबी के मुताबिक, करन को डायरिया की शिकायत है। उनका गुरुवार को ही कोरोना टेस्ट के लिए सैंपल ले लिया गया है। फिलहाल, रिपोर्ट का इंतजार है। डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है। कोरोनावायरस के बीच करीब 3 महीने बाद इस इंग्लैंड-वेस्टइंडीज सीरीज से इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी हो रही है। मैच से पहले इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने आपस में ही वॉर्म-अप मैच खेला है। इसके पहले दिन करन ने नाबाद 15 रन बनाए थे। हालांकि, अब वे इस प्रैक्टिस मैच से हट गए हैं। पहला मुकाबला 8-12 जुलाई तक साउथैम्पटन के एजिस बॉल में होगा, जबकि बाकी दो टेस्ट ओल्ड ट्रैफर्ड में 16 से 20 जुलाई और 24-28 जुलाई तक खेले जाएंगे। तीनों मैच सुरक्षित स्टेडियम में कराए जाएंगे। सीरीज बगैर दर्शक के ही होंगे।

फिल्मी दुनिया

ट्विटर अकाउंट पर फिर से सार्वजनिक हुईं सोनम कपूर, सुशांत की मौत की बाद विवादित ट्वीट कर हुईं थी ट्रोल

बॉलीवुड तड़का टीम। एक्ट्रेस सोनम कपूर सोशल मीडिया की दुनिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। लेकिन बीते दिनों उन्होंने सुशांत सिंह की मौत के बाद ट्रोलिंग से तंग अपने सोशल मीडिया अकाउंट को प्राइवेट मोड में बदल दिया था। ऐसे में सिर्फ उनके क्लोज फेंड्स ही उन्हें कमेंट कर सकते थे। लेकिन हाल ही मे एक्ट्रेस के फैंस के लिए खुशखबरी आई है। बता दें सोनम कपूर फिर से ट्विटर अकाउंट पर सार्वजनिक हो गई हैं। अब एक्ट्रेस ने ट्विटर की सेटिंग्स को बदल कर पब्लिक्ली कर दिया है। यानि अब कोई भी उन्हें कमेंट कर सकता है, उनके पोस्ट्स पर प्रतिक्रिया कर सकता है। बता दें सोनम कपूर ने फादर्स डे के मौके पर एक किया था, जिसको लेकर ट्रोलर्स उनके पीछे पड़ गए थे। सोनम ने अपने ट्वीट में कहा था मैं जो कुछ भी हूं सिर्फ अपने पापा की वजह से हूं। मेरे पापा ने मुझे ये सब देने के लिए काफी मेहनत की है। यह सिर्फ मेरे कर्म है कि मैं यहां पैदा हुई और मुझे इस पर गर्व है। ये ट्वीट देखते के बाद न सिर्फ यूजर्स बल्कि कई स्टार्स ने भी उन्हें खरी-खरी सुनाई थी।

बांद्रा के ब्यूटी स्टोर के बाहर स्पॉट हुईं दिशा पटानी, टैंक टॉप में नजर आया स्टनिंग लुक

मुंबई। लॉकडाउन के बाद धीरे-धीरे देश को खोला जा रहा है। कुछ हिदायतों के साथ लोग अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं। ऐसे में 3 महीने से घरों में कैद स्टार्स को मुंबई की सड़कों पर स्पॉट किया जा रहा है। हाल ही में दिशा पटानी को बांद्रा के एक स्टोर के बाहर देखा गया है। इस दौरान दिशा ओरेंज टैंक टॉप के साथ ब्लू ट्राउजर में दिखीं। लुक को कम्पलीट करते हुए दिशा ने हेयर्स को ओपन रखा है, जो उनकी खूबसूरती को चार-चांद लगा रहे हैं। स्टोर के बाहर दिशा ने स्टाइलिश अंदाज में पोज दिए। आइए डालते हैं । काम की बात करें तो दिशा जल्द ही सलमान खान की अपकमिंग फिल्म राधेय्द मोस्ट वॉन्टेंड बॉय में नजर आएंगी। इस फिल्म में दिशा और सलमान के सो साथ जैकी श्रॉफ जैसे कई स्टार्स हैं।

लक्ष्मी बम में काम करना नया अनुभवः अक्षय

मुंबई । बॉलीवुड के 'खिलाड़ी कुमार' अक्षय कुमार का कहना है कि फिल्म लक्ष्मी बम में काम कर उन्हें नया अनुभव मिला है।राघव लॉरेंस के निर्देशन में बनीं लक्ष्मी बम में अक्षय कुमार ने ट्रांसजेंडर का किरदार निभाया है। हॉरर-कॉमेडी लक्ष्मी बम में कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। लक्ष्मी बम शुरुआत में 22 मई को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, कोरोना वायरस महामारी के कारण अब यह फिल्म अब ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज होगी। अक्षय ने फिल्म के दो पोस्टर शेयर करते हुये फिल्म में काम करने के अनुभव के बारे में बताया।अक्षय ने कहा, फ्रफिल्म 'लक्ष्मी बम' मानसिक रूप से गहन भूमिका थी। इस किरदार में नयापन था, जैसे पहले कभी अनुभव ही नहीं किया हो। मैंने सही शॉट देने के लिए कई रीटेक भी लिए। राघव ने उन्हें फिल्म के साथ कुछ नया अनुभव करने का मौका दिया। मैं अपने डायरेक्टर लॉरेंस सर का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा। उन्होंने मेरे अंदर के एक छुपे अस्तित्व की पहचान कराई, जिसकी मुझे खबर ही नहीं थी। यह किरदार उन सभी किरदारों से अलग है, जिन्हें मैंने कभी चित्रित किया है। अक्षय कुमार ने कहा, इतने फिल्में करने के बाद भी, मैं वास्तव में हर एक दिन सेट पर होने के लिए तथा अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने, अपने बारे में अधिक सीखने के लिए उत्साहित था। इस फिल्म ने मुझे लैंगिक समानता को लेकर अपने विचारों को और शक्तिशाली बनाना सिखाया है। जो भी आप जीवन में चाहते हो बनो, लेकिन अज्ञानी मत बनो। आख़िर विनम्रता एवं दयालुता ही शांति की कुंजी है।

'सड़क 2' के लिये उत्साहित है आलिया भट्ट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट अपनी आने वाली फिल्म 'सड़क 2' को लेकर बेहद उत्साहित है।महेश भट्ट के निर्देशन में बनीं फिल्म 'सड़क 2' में आलिया भट्ट, आदित्य रॉय कपूर, संजय दत्त और पूजा भट्ट ने मुख्य भूमिकायें निभायी है। इस फिल्म से महेश भट्ट लंबे अरसे के बाद निर्देशक के रूप में वापसी कर रहे हैं। फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। यह घोषणा एक विशेष लाइव इवेंट के दौरान की गई, जिसमें आलिया भट्ट, अजय देवगन, अक्षय कुमार, वरुण धवन और अभिषेक बच्चन ने शिरकत की थी।'सड़क 2' का पोस्टर शेयर करते हुए आलिया काफी उत्साहित थीं। आलिया ने कहा, सड़क 2 सही मायने में घर वापसी है। यह पहली फिल्म का कंटीन्यूशन है।फिल्म में कैलाश पर्वत की अहम भूमिका है। सड़क 2' के पोस्टर में कोई पात्र नहीं दिखाया गया है। इस बारे में पूछे जाने पर आलिया ने कहा, कैलाश पर्वत में देवताओं और ऋषियों के पदचिह्न हैं। यह सभी देवताओं के देवता भगवान शिव का निवास स्थान है।

रोज शकुन बत्रा की फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ना करती हैं सुनिश्चितः दीपिका पादुकोण

नई दिल्ली।

दीपिका पादुकोण भले ही अपनी चुनौतीपूर्ण फिल्म भूमिकाओं में आने की अपनी प्रक्रिया पर ज्यादा चर्चा नहीं करती हैं, लेकिन हर बार कोई न कोई जानकारी हमारे हाथ लग ही जाती है जिससे हम समझ सकते हैं वह किस तरह से अपने किरदार की तैयारी करती हैं। अभिनेत्री के करीबी सूत्र ने बताया कि, दीपिका हर रोज अपने दिन से कुछ समय शकुन बत्रा की अपनी आगामी फिल्म की स्क्रिप्ट के कम से कम कुछ पन्नों को पढ़ने के लिए समर्पित करती हैं। जबकि वह अधिक तैयारी नहीं करना चाहती हैं, लेकिन इसके साथ ही वह अपने किरदार के साथ पूरी तरह से टच भी नहीं खोना चाहती हैं। लॉकडाउन हटने के बाद वह इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। यदि लॉकडाउन नहीं होता, तो अभिनेत्री ने श्रीलंका में फिल्म का एक शेड्यूल पूरा कर दिया होता। दीपिका ने इससे पहले शकुन बत्रा के साथ काम करने और सिनेमा में उनके च्वॉइस के बारे में अपने अनुभव को साझा किया था, जो उन्हें अपनी अगली फिल्म के सेट के लिए उत्साहित करता है। दीपिका ने समय-समय पर कुछ यादगार किरदारों को पर्दे पर जीवंत किया है। हर फिल्म के साथ, अभिनेत्री ने एक नया किरदार सफलतापूर्वक पेश किया है, जिसे दर्शकों से बेशुमार प्यार मिला है। चाहे वह नैना, वेरोनिका, पद्मावती लीला हो- यह सभी किरदार उस गहन तैयारी के प्रमाण हैं जो वह हर बार सुनिश्चित करती हैं। हालांकि हमें यकीन है कि दीपिका पादुकोण सेट पर वापसी के लिए उत्साहित हैं, वहीं हम उन्हें पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं!

एक बार मसीहा बने सोनू सूद, अब 50 प्रवासी मजदूरों को दिल्ली से बिहार किया रवाना

मुंबई।

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद कोरोना वायरस के संकट के समय में प्रवासी श्रमिकों के लिए मसीहा बने हैं। फिल्मों में विलेन का किरदार निभाने वाले एक्टर सोनू सूद इस समय देश की जनता के लिए सुपरहीरो बन चुके हैं। हर कोई सोनू के इस कदम की तारीफ कर रहा है। घर भेजने के सोनू उनके लिए खाने-पीने तक का इंतजाम भी खुद कर रहे हैं। इसी बीच एक बार फिर सोनू ने राजधानी दिल्ली से बिहार के लिए बस भेजी हैं। उन्होंने 50 प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेजा है। मजदूरों को घर भेजने के साथ- साथ सोनू ने उनके खाने पीने का भी पूरा इंतजाम किया है। बता दें जब से लॉकडाउन हुआ है तब से ही सोनू लगातर हजारों कि संख्या में प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेज चुके है। वहीं सोनू ने न सिर्फ प्रवासियों को उनके घर पहुंचाया बल्कि मुंबई में अपने होटल स के दरवाजे भी कोरोना वॉरियर्स के लिए खोल दिए है। इसके अलावा सोनू ने पंजाब में डॉक्टरों के लिए पीपीई किट भी दान किया था। वहीं अब सोनू के फैंस सरकार से सोनू के इस नेक काम के लिए उन्हें भारत रत्न देने की मांग कर रहे हैं। इन दिनो ट्विटर पर सोनू को भारत रत्न दिए जाने की मांग ट्रेंड हो रहा है।

आमिर खान के घर पर कोरोना की दस्तक, हाउस स्टाफ निकले पॉजिटिव

मुंबई ।

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के घर पर अब कोरोना ने दस्तक दे ही है। इसकी जानकारी खुद आमिर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने बताया कि उनका कुछ हाउस स्टाफ कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उनमें आमिर खान का एक ड्राइवर, उनके दो सुरक्षाकर्मी और एक रसोईया भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पूरे परिवार की जांच की हुई है जिसमें उनका परिवार नेगिटिव आया है। हालांकि मां का टेस्ट होने बाकी रह गया है। इसके अलावा पोस्ट में उन्होंने बीएमसी को त्वरित कार्रवाई करने के लिए धन्यवाद भी कहा है।इससे पहले करण जौहर और बोनी कपूर के घर में भी कुछ स्टाफ कोरोना पॉजिटिव मिले थे। इसके अलावा मलाइका अरोड़ा की बिल्डिंग भी कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के कारण कंटेनमेंट जोन घोषित की जा चुकी है। अन्य सेलेब्स में जोया मोरानी, करीम मोरानी, शजा मोरानी, किरण कुमार, कनिका कपूर और मोहेना सिंह भी कोरोना संक्रमित होने के बाद पूरी तरह ठीक हो चुके हैं।अपनी पोस्ट में आमिर ने लिखा, आप सभी की जानकारी के लिए, मेरे कुछ स्टाफ कोरोना पॉजिटिव हैं। उन्हें तुरंत क्वारंटाइन किया गया और बीएमसी अधिकारी उन्हें चिकित्सा सुविधा तक ले जाने में बहुत तत्पर और कुशल नजर आए। मैं बीएमसी को धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने इस तरह से अच्छी देखभाल की। हम बाकी लोगों का टेस्ट किया गया जो कि नेगेटिव आया. अब मैं अपनी मां को टेस्ट कराने के लिए ले जा रहा हूं। इस पंक्ति में वह आखिरी इंसान हैं। कृपया प्रार्थना करें कि उनका टेस्ट भी नेगेटिव आए। मैं एक बार फिर बीएमसी को जल्द, पेशेवर और देखभाल करने के तरीके के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा। आमिर खान ने आगे लिखा- मैं कोकिलाबेन अस्तपताल के डॉक्टर, नर्स और उनके बाकी स्टाफ का भी धन्यवाद करता हूं। वह परीक्षण प्रक्रिया के दौरान काफी पेशेवर और देखभाल करने वाले नजर आए। भगवान आशीर्वाद दें और सभी सुरक्षित रहें। बताया जा रहा है कि आमिर खान लॉकडाउन में ढील दिये जाने के बाद आमिर खान 15 जुलाई से फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग फिर से शुरू करने को लेकर बेहद उत्सुक थे, मगर अपने स्टाफ के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू करने में फिर से देरी हो सकती है।

चाइनीज ऐप बैन होने पर खुश हुईं टिक-टॉक स्टार जन्नत जुबैर, मैं सरकार के इस फैसले का समर्थन करती हूं

बॉलीवुड तड़का ।

देश में मंगलवार यानि आज टिक-टॉक समेत 59 ऐप्स बैन कर दिए गए हैं। ऐसे में ज्यादा टिक-टॉक पर एक्टिव रहने वालों को बड़ा झटका लगा है। बतां दे देश के कई ऐसे स्टार्स है, जिन्हें इस ऐप पर अपना टैलेंट दिखाने का मौका मिला और उन्होंने इस प्लेटफॉर्म पर खूब पॉपूलेरिटी भी हासिल की। ऐसे ही टिक-टॉक स्टार्स में से एक हैं ऐसे ही टिक-टॉक स्टार्स में से एक हैं जन्नत ज़ुबैर, जो टिक-टॉक से खूब जन्नत ज़ुबैर, जो टिक-टॉक से खूब फेम मिला। इस ऐप के बंद होने पर जन्नत ने एक इंटरव्यू में बताया, 'मैं इस फैसले के काफी खुश हूं, मैं तो इंतजार कर रही थी कि कब ये बैन की न्यूज़ आए। मैं सरकार के इस फैसले का पूरा सपोर्ट करती हूं, इतना ही नहीं मैं सभी चाइनीज ऐप्स को बैन करने का भी समर्थन करती हूं।' जन्नत ने आगे बताया, ऐसे बहुत सारे टिक-टॉक लवर्स है जिन्हें इस खबर से झटका लगा है, लेकिन मुझे कहीं न कहीं इस बात का शक था कि टिक-टॉक बैन हो सकता है। उन्होंने शॉक्ड लोगों को हौंसला देते हुए कहा कि जो लोग सिर्फ टिक-टॉक पर निर्भर थे, वो लोग अब अपना टैलेंट कहीं और एक्सप्लोर करेंगे, कहीं और अपना करियर बनाएंगे'। उन्होंने शॉक्ड लोगों को हौंसला देते हुए कहा कि जो लोग सिर्फ टिक-टॉक पर निर्भर थे, वो लोग अब अपना टैलेंट कहीं और एक्सप्लोर करेंगे, कहीं और अपना करियर बनाएंगे'। बताते चले कि जन्नत के टिक-टॉक पर 27 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

एयरपोर्ट पर पति संग रोमांटिक हुईं नेहा धूपिया,गले लगाकर यूं किया सी ओफ

मुंबई ।

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया और एक्टर अंगद बेदी इंडस्ट्री के फेमस कपल्स में से एक हैं। दोनों क दूसरे को प्यार का इजहार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। हाल ही में नेहा और अंगद को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। नेहा यहां पति अंगद को गुडबॉय कहने आई थीं।

इस दौरान नेहा व्हाइट शर्ट और ब्लैक पैंट्स में कूल दिखीं। वहीं अंगद ब्लैक टी-शर्ट और ग्रे ट्राउजर में दिखे। एयरपोर्ट पर कपल अपनी सेफ्टी का पूरा ध्यान रखे नजर आया। इस दौरान नेहा और अंगद ने फेस पर मास्क लगाया था। अंगद ने नेहा को गले लगाकर गुडबॉय कहा। तस्वीरों में पति-पत्नी की जबरदस्त बॉन्डिंग देखने को मिल रही हैं। कपल कीकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, ।

जिन्हें फैंस काफी पसंद भी कर रहे हैं। नेहा और अंगद ने करीब 1 साल डेटिंग के बाद 10 मई को अचानक शादी कर ली। आनन-फानन में हुई दोनों की शादी की खबर सुनकर सभी शॉक्ड रह गए। मीडिया में ये खबरें तक आईं थी दोनों ने शादी इसलिए की क्योंकि नेहा शादी से पहले ही प्रेग्नेंट हो गई थी। आनन-फानन में हुई दोनों की शादी की खबर सुनकर सभी शॉक्ड रह गए।

मीडिया में ये खबरें तक आईं थी दोनों ने शादी इसलिए की क्योंकि नेहा शादी से पहले ही प्रेग्नेंट हो गई थी। हालांकि, दोनों ने इस बात को सिरे से नकार दिया था ।

लेकिन बाद में नेहा के ही शो में अंगद ने माना कि वो शादी से पहले ही प्रेग्नेंट थीं। नेहा ने शादी के 6 महीने बाद ही बेटी मेहर को जन्म दिया। न अब नेहा अपनी शादीशुदा और मदरहुड लाइफ को खूब एंजॉय कर रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लद्दाखवासी कहते हैं चीन ने हमारी जमीन ली और मोदी कहते हैं नहीं, कोई तो झूठ बोल रहा है: राहुल गांधी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ तनाव को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि लद्दाखवासियों का कहना है कि चीनी सैनिकों ने भारतीय जमीन ले ली है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे इनकार करते हैं और ऐसे में कोई तो झूठ बोल रहा है। उन्होंने लेह के एक निवासी का वीडियो शेयर करते हुए ट्वीट किया, लद्दाखवासी कहते हैं कि चीन ने हमारी जमीन ले ली है। प्रधानमंत्री कहते हैं कि किसी ने हमारी जमीन नहीं ली है। निश्चित तौर पर कोई तो झूठ बोल रहा है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर उस दिन निशाना साधा है जब मोदी लद्दाख दौरे पर पहुंचे हैं। पूर्वी लद्दाख में भारतीय एवं चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के कुछ ही दिनों बाद प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को अचानक लेह पहुंचे। यहां उन्होंने थलसेना, वायुसेना और आईटीबीपी के जवानों से बातचीत की। आपको बतां दे कि पूर्वी लद्दाख में भारतीय एवं चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के कुछ ही दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अचानक लेह पहुंचे। यहां उन्होंने थलसेना, वायुसेना और आईटीबीपी के जवानों से बातचीत की। सूत्रों ने बताया कि मोदी प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत के साथ सुबह करीब साढ़े नौ बजे लेह पहुंचे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री इस समय निमू में एक अग्रिम स्थल पर हैं। वहां उन्होंने थलसेना, वायुसेना एवं आईटीबीपी के कर्मियों से बातचीत की।

उन्होंने बताया कि सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को सीमा की स्थिति से अवगत कराया। सिंधु नदी के तट पर 11,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित निमू सबसे दुर्गम स्थानों में से एक है। यह जंस्कार पर्वत श्रृंखला से घिरा हुआ है।

पटेल से ईडी की पूछताछ पर भड़की प्रियंका, बोलीं- कोरोना काल में भी लोगों को परेशान कर रही केंद्र

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल से प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ को लेकर शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि कोरोना महामारी के समय पटेल को 'परेशान करने के लिए ईडी को भेजना सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। प्रियंका ने ट्वीट किया कि कोरोना महामारी के बीच में अहमद पटेल को परेशान करने के लिए ईडी को भेजना यह दिखाता है कि इस सरकार की प्राथमिकताएं क्या हैं। प्रियंका ने कहा कि हजारों लोगों की मौत हो रही है।

हमारे स्वास्थ्यर्मी सहयोग से जुड़े कदम उठाए जाने के लिए परेशान हैं, अर्थव्यवस्था अप्रत्याशित संकट का सामना कर रही है, चीनी हमारे क्षेत्र में घुस रहे हैं, हमारे सैनिक मारे जा रहे हैं। यह सरकार अपना समय खर्च करने में कहां व्यस्त है। उन्होंने कहा कि कहा जाता है कि संकट के समय लोगों का असली स्वभाव सामने आता है।

ऐसे लगता है कि यह कहावत इस सरकार पर फिट बैठती है। गौरतलब है कि ईडी ने संदेसरा ब्रदर्स बैंक धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल से यहां उनके आवास पर वीरवार को करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। इससे पहले भी उनसे पूछताछ हुई थी।

दिल्ली: पहले दिन कई लोगों ने डोनेट किया प्लाज्मा

नेशनल डेस्क। दिल्ली सरकार ने रोगियों के लिए देश के पहले प्लाज्मा बैंक की शुरुआत वीरवार को की और इसी को लेकर विशेषज्ञों ने प्लाज्मा दान के संबंध में प्रोटोकॉल और स्क्रीनिंग के दिशा-निर्देशों पर रोशनी डाली है। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच दिल्ली सरकार के यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस) के परिसर में प्लाज्मा बैंक स्थापित किया गया है जो सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आईएलबीएस का दौरा कर प्लाज्मा बैंक सुविधा का जायजा लिया और प्लाज्मा दाताओं से बात की। पहले दिन संस्थान में बाहर से अनेक रोगी प्लाज्मा दान करने के लिए पहुंचे, वहीं आईएलबीएस के उन कर्मचारियों ने भी प्लाज्मा दान किया जो हाल ही में से सही हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि आज तक आईएलबीएस के करीब 90 कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया कि प्लाज्मा दान करने वालों के लिए कड़े मानदंड हैं और वास्तविक प्रक्रिया शुरू होने से पहले उनकी काउंसिलिंग तथा स्क्रीनिंग की जाती है और इस तरह से हर प्लाज्मा दाता को दो से ढाई घंटे लगते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि 18 से 60 साल के लोग प्लाज्मा दान कर सकते हैं जो कोविड-19 से पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं और जिनमें 14 दिन तक कोई लक्षण नहीं दिखाई देते। हालांकि उन्हें अन्य दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा।

एयर कंडिशनर में धमाके के साथ घर में लगी आग

साम्बा। विजयपुर के जक्ख गांव में एक पूर्व सैनिक के घर में अचानक आग भड़क उठी। हालांकि हादसे में किसी को चोट नहीं आई लेकिन घर में रखा हजारों रूपए का सामान जल गया। यह हादसा हायर सेकेन्डरी स्कूल के पीछे स्थित विद्यासागर पुत्र हंसराज के घर में पेश आया। बताया गया है कि दोपहर के समय घर के सदस्य खाना खा रहे थे कि अचानक घर में लगे एक विंडो एयर कंडीशनर में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि संभवतः शार्ट सर्किट के कारण एसी में लगी आग के बाद धमाका हुआ जिसके बाद वहां धुआँ फैल गया और अंदर रखे कपड़ों-फर्नीचर आदि ने आग पकड़ ली। इसी दौरान कमरे में सो रही एक बच्ची को सकुशल बाहर निकाला गया। इसके बाद लोगों ने फायर ब्रिगेड को भी सूचित किया गया। दमकल दस्ते ने आकर आग पर काबू पाया। हादसे में घर में लगाई गई एलईडी के अलावा अलमारी, कपड़े आदि जल गए।

चाइना से लड़ने के लिए रिटायर्ड जवानों ने जताई इच्छा, फिर होना चाहते हैं सेना में शामिल

इंदौर(एजेंसी)।

एक ओर जहां भारत- चीन के बीच तनाव चल रहा वहीं पाकिस्तान भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा इसी बीच हिंदुस्तान की तीनों सेनाओं के रिटायर्ड जवानों और अधिकारियों ने एक ऐसी पहल की है जिसे सुनकर आपका सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा। सेना के जनरल, ब्रिगेडियर और मेजर स्तर के 61 रिटायर्ड अधिकारियों जवानों ने कहा है कि वे मौका दिए जाने पर ग्राउंड ड्यूटी करने के लिए तैयार है, जिसके लिए सेना के रिटायर्ड अधिकारियों ने आज इंदौर के सांसद शंकर लालवानी को राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम एक पत्र दिया है। आर्मी, नेवी , एयरफोर्स , बॉर्डर सिक्युरिटी फोर्स इसके अलावा पांच विंग्स जो अलग अलग सेना में काम करती है इन सब लोगों ने सहमति दी है कि हम देश की निस्वार्थ सेवा करना चाहते है, जिसके लिए हमें कोई पैसा नहीं चाहिए। इन रिटायर्ड सेना के सभी अधिकारियों ने शुक्रवार को सांसद शंकर लालवानी से मिलकर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ग्राउंड ड्यूटी करने के संदर्भ में सांसद शंकर लालवानी को एक पत्र सौंपा। वहीं सांसद शंकर लालवानी ने रिटायर्ड सेना के अधिकारियों को भरोसा जताया कि उनका पत्र राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक जरूर पहुंचाया जाएगा। वहीं सेना के रिटायर्ड अधिकारियों का कहना है कि हमारी एक संस्था है। पूर्व सैनिक वेटरनेसोसेशियन ऑफ इंदौर के अंदर थल सेना, वायु सेना, बॉर्डर सिक्युरिटी फोर्स, आई टी बी, आसाम रायफल्स, बी एस एफ, सी आर पी एफ ये सब इनके

सदस्य है और पूर्व सैनिक हैं। वहीं जब देश संकट से गुजर रहा है तो ऐसे में हम लोग की तरह से देश की मदद कर सकते है। क्योंकि इन रिटायर्ड अधिकारियों के पास जज्बा और अनुभव दोनों है इसी अनुभव से आज देश के जो हालात है उसमें हम 61 रिटायर्ड अधिकारी अपनी सेवा देने चाहते है जिसके लिए हमे मंजूरी दी जाए।

भारत ने एलओसी, आईबी पर पाकिस्तान के संघर्ष विराम उल्लंघन पर कड़ा विरोध जताया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी), अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास बिना उकसावे के पाकिस्तानी बलों द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन को लेकर पाकिस्तान से कड़ा विरोध जताया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस साल जून तक पाकिस्तान की ओर से बिना किसी उकसावे के की गई संघर्ष विराम उल्लंघन की 2,432 घटनाओं में 14 भारतीयों की मौत हो गई और 88 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि बिना उकसावे के किया जा रहा यह संघर्ष विराम उल्लंघन दोनों देशों के बीच हुए 2003 संघर्ष विराम समझौते के विरूद्ध है। सूत्रों ने बताया कि भारत ने सीमा पार से घुसपैठ में आतंकवादियों की पाकिस्तानी बलों द्वारा मदद को लेकर भी पाकिस्तान के समक्ष भीर चिंताएं व्यक्त की है। सूत्र ने कहा, हमने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बिना किसी उकसावे के पाकिस्तानी बलों द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। सूत्रों ने बताया कि महानिदेशक सैन्य संचालन सहित अन्य के जरिए इन चिंताओं को साझा करने के बावजूद पाकिस्तानी बलों ने इन गतिविधियों को बंद नहीं किया है।

अमेरिकी शीर्ष सांसद का दावा– चीनी सैनिकों ने की भारतीय सीमा में घुसपैठ, मार डाले 20 जवान

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।

अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने कहा कि चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ आक्रामकता का प्रदर्शन कर रही है और उसने भारत में असल में घुसपैठ की है। पिछले कुछ दिनों में अमेरिका के एक दर्जन से अधिक सांसदों ने चीनी आक्रामकता के खिलाफ आवाज उठाई है और वे भारत के समर्थन में उतर आए हैं। सीनेटर टिम कॉटन ने सीनेट में गुरुवार को कहा कि चीन अपने चारों ओर आक्रामक कदम उठा रहा है। उसने भारत में वास्तव में घुसपैठ की और 20 भारतीय जवानों को मार दिया। रिपब्लिकन पार्टी के नेता कॉटन ने कहा कि चीन ने दक्षिण चीन सागर पर हमला किया है या वियतनाम, मलेशिया और फिलीपीन को डराया। उसने ताइवान और जापानी हवाई क्षेत्र में अनधिकृत प्रवेश किया है। उन्होंने कहा कि हांगकांग में हाल में लागू सुरक्षा कानून ने स्पष्ट कर दिया है कि सीपीसी न तो अपने लोगों और न ही अन्य देशों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करेगी। कॉटन ने चीन पर अमेरिका, विश्व व्यापार संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य के प्रति प्रतिबद्धताएं पूरी न करने का आरोप लगाया। सीनेटर मिच मैक्कोनल ने सीनेट में राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) 2011 के समर्थन में दिए अपने भाषण में आरोप लगाया कि चीन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उकसाने वाले कदम उठा रहा है। सीनेटर जॉन कॉर्निन ने इस सप्ताह में एक संशोधन पेश किया था। मैक्कोनल ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा दक्षिण चीन सागर, सेंकाकू द्वीप समेत विवादित क्षेत्रों में और इसके आस-पास चीन का विस्तार एवं आक्रामकता चिंता का विषय है।

चाईना कनेक्शन को लेकर कृषि मंत्री ने नाथ को घेरा, शाह को पत्र लिखकर की सीबीआई जांच की मांग

भोपाल(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कमल पटेल ने राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से चंदा मिलने के बाद आयात में दी गई रियायतों के लिए तत्कालीन वाणिज्य मंत्री कमलनाथ की भूमिका को संदिग्ध बताते हुए मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। इसे लेकर उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। मंत्री कमल पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर तीखा हमला करते हुए कहा कि चीन से सीमा विवाद के चलते कांग्रेस लगातार अनर्गल बयान दे रही है। शुक्रवार को मंत्री कमलपटेल ने कहा कि मीडिया से मिल रही जानकारियों के आधार पर चीन एवं तत्कालीन यूपीए सरकार के गहरे संबंध नकारे नहीं जा सकते। सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाले राजीव गांधी फाउंडेशन को दान के नाम पर पीपल रिपब्लिक आफ चायना के दूतावास से करोडों रूपये की वित्तीय सहायता मिली है। चीन के साथ जारी सीमा विवाद के दौरान पूर्व यूपीए सरकार का नरम रवैया इसी आर्थिक सहायता के कारण तो नहीं रहा। सोनिया गांधी और राहुल गांधी ही नहीं तत्कालीन यूपीए सरकार में वाणिज्य मंत्री रहे कमलनाथ ने चीन से आयात हेतु अनापेक्षित रियायत दी थीं यह भी शक पैदा करता है कि कहीं यह उदारता राजीव गांधी फाउंडेशन को मिली आर्थिक सहायता के कारण तो नहीं दिखाई गई थी। कमल पटेल ने आगे लिखा कि पाकिस्तान उच्च आयुक्त के माध्यम से यदि किसी व्यक्ति विशेष अथवा संस्था को किसी प्रकार की आर्थिक सहायता दी जाती है तो यह माना जाता है विशेष अथवा संस्था को किसी प्रकार की आर्थिक सहायता दी जाती है तो यह माना जाता है कि वह कहीं न कहीं आतंकवादी गतिविधि में उपयोग हो रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह चीन, पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत की सीमा को छलनी कर रहा है उससे चीन द्वारा प्राप्त आर्थिक सहायता को भी शक की निगाह से देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही कृषि मंत्री कमल पटेल ने यूपीए सरकार के समय चीन से मिली आर्थिक सहायता और आयात में दिए गए अनुचित लाभ तथा संपत्तियों की सीबीआई जांच कराने की मांग की है जिससे कांग्रेस का सच देश के सामने आ सके। कृषि मंत्री ने भरोसा दिलाया कि चीन के खिलाफ संघर्ष में पूरे प्रदेश की जनता केन्द्र सरकार के साथ है। कांग्रेस ने अपने राजनीतिक लाभ और निजी फायदे के लिए हमेशा देश के साथ विश्वासघात किया है इसलिए वह देश में रहकर देश के हितों को कमजोर कर रहे हैं। उनकी असलियत देश की जनता जान चुकी है अब पूरे मामले की सीबीआई जांच कराकर कांग्रेस और उसके नेताओं को दंडित किए जाने का समय आ गया है जिससे भविष्य में वह देश के खिलाफ कोई साजिश न कर सकें।

मोदी जी हर हाल में जीत कर आना ... शहीद संतोष बाबू की पत्नी ने पीएम से की अपील

नेशनल डेस्क। गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र ने लेह पहुंचकर सेना के जवानों का हौंसला अफजाई किया। जहां एक और उनके इस दौरे से सेना का जोश हाई दिखा तो वहीं चीन से लोहा लेते शहीद हुए कर्नल संतोष बाबू की पत्नी ने भी पीएम मोदी से खास अपील की। शहीद संतोष बाबू की पत्नी ने एक चैनेल से बातचीत करते हुए कहा कि उनके पति का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। पीएम मोदी के लेह जाने से सेना को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैं मोदीजी को कहना चाहूंगी कि हमें हर हाल में जीत कर ही आना है। बता दें कि पीएम मोदी ने आज अचानक लेह पहुंचकर सभी को चौंका दिया। उनके साथ इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि लद्दाख की गलवान घाटी में सोमवार रात को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें कर्नल संतोष बाबू समेत भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। संतोष बाबू चीनी पक्ष से हुई बातचीत का नेतृत्व कर रहे थे, लेकिन देर रात हुई हिंसा में वह शहीद हो गए। 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफ़ी सर रहे कर्नल संतोष के साथ उस रात 19 और जवानों ने शहादत दी थी। इन सभी ने अपनी जान न्योछावर कर दी मगर चीन को भीतर घुसने नहीं दिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री के लद्दाख दौरे से वीर सैनिकों का मनोबल बढ़ेगा: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लद्दाख यात्रा की सराहना की और कहा कि उनके इस दौरे से हमारे वीर जवानों का मनोबल बढ़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी का लद्दाख दौरा भारतीय सेना और चीन की पीएलए पीपुल्स (लिबरेशन आर्मी) के बीच ऊंचाई वाले क्षेत्र में चल रहे गतिरोध के बीच हुआ है। शाह ने ट्वीट किया, आगे बढ़कर नेतत्व कर रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लद्दाख में एक अग्रिम चौकी पर सेना, वायु सेना और आईटीबीपी के हमारे बहादुर और साहसी जवानों के साथ। उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री की यह यात्रा निश्चित रूप से हमारे वीर जवानों का मनोबल बढ़ाएगी। उन्होंने सैनिकों के साथ मोदी की कई तस्वीरों को भी पोस्ट किया। प्रधानमंत्री शुक्रवार को लेह पहुंचे जहां उन्होंने सेना, वायु सेना और आईटीबीपी के जवानों के साथ बातचीत की। मोदी प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत के साथ सुबह करीब साढ़े नौ बजे लेह पहुंचे।

कोरोना के बीच नई मुसिबत, संक्रमितों में मिल रहे रहस्यमय बीमारी के लक्षण

नेशनल डेस्क। देश में हर रोज हजारों की संख्या में कोरोनावायरस के मामले सामने आ रहे हैं। इस महामारी से सबसे ज़्यादा प्रभावित राज्य है महाराष्ट्र, जहां अब तक 180298 से ज़्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। वायरस की मार झेल रहे राज्य के सामने अब नई मुसीबत आ गई है। यहां अब रहस्यमय बीमारी के लक्षण सामने लगे हैं। ये लक्षण कावासाकी नाम की बीमारी से मिलते हैं, जिसने सभी की चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार भारत में कावासाकी बीमारी का पहला मरीज मुंबई में 14 वर्ष के बच्चे के रूप में सामने आया, अहम बात यह है कि बच्चा कोरोना संक्रमित भी है। इतना ही नहीं मुंबई के कई अस्पतालों में भी इस तरह के मामले सामने आए हैं। कावासाकी बीमारी सामान्य तौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को होती है लेकिन कोविड 19 के मामलों में देखा गया है कि इसके लक्षण 10 से 14 के बच्चों में भी मिल रहे हैं।

लाकडाऊन में मिली छूट निमयों का उल्लघन करते दिखे दुकानदार, दुकानों के बाहर लगा दिया सामान

साम्बा। लाकडाऊन में मिली छूट के बाद जिला प्रशासन साम्बा ने दुकानदारों को सुबह 9 से पांच बजे तक दुकाने खोलने और बाहर किसी भी प्रकार के सामान को डिस्पले करने पर पाबंधी है, लेकिन बावजूद इसके कुछ दुकानदार अपनी दुकानों के बाहर लगातार सामान लगाकर अतिक्रमण करने पर साम्बा पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए सभी दुकानदारों के सामान को सख्त कार्रवाई से अंदर करने के निर्देश जारी किए। सोशल मीडिया में लगातार फोटो वायरल होने के बाद साम्बा थाना प्रभारी राजेश जसरोटिया ने साम्बा ड्क्षलक मार्ग के दुकानों पर स्वंय जाकर सोर बाहर रखे सामान को अंदर रखवाया और सख्त लिहाज में चेतवानी देते हुए कहा कि अगर दुकानदारों ने नियमों का उल्लघन किया तो ठोस कार्रवाई होगी। वहीं पुलिस की चेतावनी के बाद सभी दुकानदारों ने स्वंय ही अपने सामान को अंदर रख लिया।

सार्वजनिक वाहन नहीं चलने से लोग परेशान, प्राइवेट गाड़ियों को ज्यादा पैसे देने को विवश

साम्बा। राज्य में लाकडाऊन खुलने के बाद कई जगहों पर मैटाडोर लगातार चलना शुरू हो गया है और किराया भी बढ़ाया गया है, लेकिन अभी तक साम्बा जिला के विभिन्न रूटों में अभी तक कोई पैसेंजर वाहन नहीं चलने से लोग खासे परेशान हो गए हैं। सच्चाई यह है कि दूर-दराज के गरीब लोगों को अस्पताल तक आने के लिए मोटी रकम देकर प्राइवेट गाड़ी किराए पर करनी पड़ती है और अस्पताल में उससे भी अधिक दवाईयों पर खर्चा हो जाता है। इसके इलावा कई घर ऐसे हैं जो कि साम्बा में अपना जरूरत का सामान लेने आते हैं, परंतु न तो सुम्बा मार्ग, नड साम्बा-मानसर मार्ग और न ही बार्डर पर कोई वाहन दौड़ रहा है, जिससे यह सब लोग परेशान हो गए हैं। हालत तब ओर अधिक खराब हो रही है कि जब कुछ लोग बैंक में पैसे निकालने के लिए दस-दस किलोमीटर पैदल साम्बा में आते हैं और फिर वापिस जाते हैं। रमेश सिंह, रवि कुमार, अनिल सिंह ने जिला प्रशासन साम्बा से मांग करते हुए कहा कि जम्मू की तरफ साम्बा में भी मैटाडोर को चलाया जाए ताकि लोग अपने जरूरी कामों के लिए साम्बा तक पहुंच पाएं।

पर्यटकों के लिए फिर खुल गए गोवा के दरवाजे, बस इन बातों का रखना होगा ख्याल

नेशनल डेस्क। 3 महीने से पर्यटकों के लिए बंद गोवा एक बार फिर अपने दरवाजे खोलने जा रहा है। राज्य के के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने ऐलान करते हुए कहा कि गोवा को पर्यटकों के लिए फिर से खोला जा रहा है। सावंत ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि गोवा पर्यटकों के लिए फिर से खुल रहा है। पर्यटन राज्य के सबसे बड़े उद्योगों में से है और यह हमारी अर्थव्यस्था की रीढ़ है। कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के खिलाफ लड़ाई के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए अनलॉक के इस चरण में हम उच्च स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनी अर्थव्यवस्था को फिर से शुरू कर रहे हैं। सीएम ने लिखा कि आइए, इस महामारी से लड़ने के लिए एकजुट होकर काम करें तथा हजारों गोवावासियों की आजीविका बहाल करें। हालांकि उन्होंने पर्यटकों को राज्य में पर्यटन के दौरान दिशानिर्देशोंब और नियमों का पालन करने को कहा। गोवा में कोविड-19 महामारी के कारण करीब साढ़े तीन महीने के अंतराल के बाद पर्यटन उद्योग को फिर से खोला जा रहा है। यहां कोरोना से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है।

'चीनी ऐप पर प्रतिबंध ने भारतीय, अमेरिकी स्टार्टअप को दिया मौका

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत में चीनी ऐप पर प्रतिबंध से अमेरिकी और भारतीय स्टार्टअप कंपनियों को एक बड़ा मौका मिला है। यह कहना है अमेरिका और भारत के बीच कारोबारी संबंधों को मजबूत करने का काम करने वाले संगठन 'अमेरिका-भारत रणनीतिक और साझेदारी मंच का। उल्लेखनीय है कि सरकार ने सोमवार शाम को राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता और डेटा सुरक्षा का हवाला देते हुए टिकटॉक, वीचैट, कैमस्कैनर जैसरी सहित 59 चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार के इस फैसले को गलवान घाटी में चीन के साथ हिंसक संघर्ष में 20 भारतीय जवानों के शहीद होने की घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। मंच के अध्यक्ष मुकेश अघी ने बुधवार को कहा, '' ये प्रतिबंध अमेरिकी कंपनियों के लिए एक मौका है। लेकिन मेरा मानना है कि यह भारतीय कंपनियों को ज्यादा अवसर उपलब्ध कराएगा कि वह खुद के घरेलू ऐप विकसित करें। क्योंकि इस क्षेत्र में भारत के पास बहुत क्षमता और संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह भारतीय कंपनियों के लिए इस क्षेत्र में पहुंच बनाने का एक बड़ा मौका है। अघी ने कहा कि भारत में भी कई विश्वस्तरीय ऐप बनी हैं। वहां पहले से इस क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं।

उन्होंने 59 चीनी ऐप पर प्रतिबंधो को भारत की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा मामला बताया। अघी ने कहा, ''भारत को लगा होगा कि ये ऐप डेटा का हस्तांतरण कर रही है। हमें लगता है भारत ने अपनी आंतरिक सुरक्षा की रक्षा के लिए यह कदम उठाया है और हम इसका समर्थन करते हैं।

किम जोंग उन ने उत्तर कोरिया में कोरोना कंट्रोल की सराहना की, बोले- फिर भी रहे अलर्ट

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)। उत्तर कोरिया नेता किम जोंग-उन ने कोरोना वायरस के खिलाफ शानदार सफलता को लेकर उत्ते तर कोरिया की जमकर तारीफ की। हालांकि इसक साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ ज्यादा अलर्ट रहने को कहा। किम जोंग ने शुक्रवार को देश के एंटी-वायरस अभियान में अनिर्दिष्ट जटिलताओं की आलोचना करते हुए कहा कि यह अकल्पनीय और अकाट्य संकट है। उन्होंने मीडिया को बताया कि देश में कोरोना का एक भी मामला नहीं है, इसके बावजूद उन्होंने अधिकारियों से अधिक सावधान रहने को कहा है। साथ ही किम ने कहा कि हमने घातक वायरस के संक्रमण को पूरी तरह से रोका है और दुनियाभर में स्वास्थ्य संकट के बावजूद स्थिर एंटी-महामारी की स्थिति को बनाए रखा है। बता दें कि दुनियाभर में जहां कोरोना के एक करोड़ से ज्यादा मामले हैं, वहीं उत्तर कोरिया का दावा है कि उनके यहां कोरोना का एक भी मामला नहीं है। वहीं देश में लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था डगमगा-सी गई है। उत्ते तर कोरिया ने देश की सीमाओं और स्कूलों को बंद करने और इसके हजारों लोगों को अलग-थलग करने सहित सख्त नियम लागू किए गए जिससे वहां हालात खराब हैं। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र के अधिकार विशेषज्ञ ने चेतावनी दी थी कि उत्तर कोरिया के किसी भी प्रकोप को रोकने के प्रयासों के चलते वहां कुछ लोग भूखे मर रहे हैं।

अमेरिका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 27 लाख के पार

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 27 लाख से अधिक हो गई है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से गुरुवार को जारी किये गये आंकड़ों के अनुसार यहां कोविड-19 से अब तक 2711603 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं 128385 लोगों ने इसके कारण जान गंवाई है। अमेरिका में इस जानलेवा विषाणु के कारण सबसे अधिक प्रभावित न्यूयॉर्क हुआ है। यहां इस महामारी से अब तक 394954 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 32043 लोगों की इसके कारण मौत हुई है। वहीं कैलिफोर्निया, टेक्सास, न्यू जर्सी, फ्लोरिडा, इलिनोइस तथा मैसाचुसेट्स राज्य में क्रमशः एक लाख से अधिक लोग इसकी चपेट में आए हैं। अमेरिका में बुधवार को इस संक्रमण के 50 हजार से अधिक मामले दर्ज किये गये थे।

मरीन मामले में मध्यस्थता अदालत के फैसले का सम्मान करेंगे: इटली

रोम (एजेंसी)। दो जुलाई (भाषा) इटली ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह दो इतावली मरीनों द्वारा दो भारतीय मछुआरों की हत्या के सिलसिले में आए अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण के फैसले का ''स्वभाविक रूप से सम्मान'' करेगा। रोम ने कहा कि मध्यस्थता अदालत ने जो भी व्यवस्था दी है वह उसे सहयोग की भावना के साथ पूरा करने के लिए तैयार है। भारत ने एक इतालवी ध्वजवाहक तेल टैंकर एमवी एनरिका लेक्सी पर सवार दो इतालवी मरीनों पर 15 फरवरी, 2012 को केरल तट पर दो भारतीय मछुआरों की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया था। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने इस मामले में भारतीय अधिकारियों की कार्रवाई को सही ठहराते हुए कहा है कि भारत इस मामले में मुआवजा पाने का हकदार है ।

लेकिन नौसैनिकों को आधिकारिक छूट प्राप्त होने के कारण वह उनके खिलाफ मुकदमा नहीं चला सकता है। वर्ष 2012 के इस मामले में दो इतालवी नौसैनिकों पर दो भारतीय मछुआरों की जान लेने का आरोप है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को ऑनलाइन ब्रीफिंग में कहा, अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने कहा कि दोनों नौसैनिकों ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है और उसके परिणामस्वरूप इटली ने यूएनसीएलओएस (समुद्र संबंधी कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि) के तहत भारत की नौवहन स्वतंत्रता का उल्लंघन किया। अदालत के फैसले पर टिप्पणी करते हुए इटली के विदेश मंत्री लुइगी दी मयो ने कहा कि लंबी पीड़ा के बाद आज निश्चित पूर्ण विराम लगा दिया गया है। इतावली समाचार एजेंसी एएनएसए ने मंत्री के हवाले से कहा कि न्यायाधिकरण ने जो व्यवस्था दी है, ।

फ्रांस के प्रधानमंत्री एडवर्ड फिलिप ने अपने पद से दिया इस्तीफा

इंटरनेशनल डेस्क। फ्रांस के प्रधानमंत्री एडवर्ड फिलिप ने आगामी दिनों में सरकार में फेरबदल की संभावनाओं के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे की घोषणा फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय ने शुक्रवार को की। बयान में यह नहीं बताया गया है कि क्या फिलिप की जगह कोई और नेता लेगा या वह नई सरकार के प्रमुख बने रहेंगे। देश के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों अपने कार्यकाल के अंतिम दो साल में कोरोना वायरस संकट से बुरी तरह प्रभावित देश की अर्थव्यवस्था को पुनः पटरी पर लाने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। यह फेरबदल ऐसे समय में किया जाएगा, जब कुछ दिन पहले स्थानीय चुनावों में मैक्रों की पार्टी को फ्रांस के बड़े शहरों में हार का सामना करना पड़ा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों अगले दो साल के अंदर फिर से अपनी छवि सुधारना चाहते हैं।

युएस का चीन को जोरदार झटका, अमेरिकी संसद में हांगकांग के मसले पर चीन पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित

वॉशिंगटन (एजेंसी) । अमेरिकी संसद ने हांगकांग में सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच चीन के कदम को लेकर उस पर प्रतिबंध लगाने वाला एक विधेयक पारित कर दिया है। चीन ने हांगकांग में अलगाववादी गतिविधियों में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने के लिए विवादित कानून को लागू कर दिया है। लोगों को आशंका है कि इस कानून का इस्तेमाल इस अर्द्धस्वायत्त क्षेत्र में विरोध की आवाजों को दबाने के लिए किया जा सकता है।अमेरिकी संसद ने हांगकांग के मसले पर चीन पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक किया पारित, जानें इसके पीछे की वजहअमेरिका के इस विधेयक के तहत हांगकांग में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करने वाले पुलिस अधिकारियों समेत उन समूहों पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जो हांगकांग की स्वायत्ता और उसके निवासियों की आजादी को कमतर करने की कोशिश करेंगे। साथ ही इस नए सुरक्षा कानून को लागू करने वाली चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिकारियों पर भी प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इस विधेयक में कानून का उल्लंघन करने वाली संस्थाओं के साथ कारोबार करते पाए जाने वाले बैंकों पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है।स से चीन को जोरदार झटका, हांगकांग को लेकर कड़े प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक किया पारितसीनेट ने बृहस्पतिवार को इस विधेयक को अंतिम मंजूरी दे दी। इससे एक दिन पहले प्रतिनिधि सभा ने इसे मंजूरी दी थी और अब यह विधेयक व्हाइट हाउस के पास जाएगा। सीनेट में मतदान के मद्देनजर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि विदेशी ताकतों का कोई भी दबाव ''चीन के संकल्प और राष्ट्रीय संप्रभुत्ता तथा हांगकांग की समृद्धि एवं स्थिरता की रक्षा करने की इच्छाशक्ति को हिला नहीं सकता।''उन्होंने अमेरिका से अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने और हांगकांग के मामलों में हस्तक्षेप न करने तथा प्रतिबंध वाले विधेयक पर हस्ताक्षर न करने का अनुरोध किया।

दुनिया भर में 1.08 करोड़ कोरोना संक्रमित, 5.20 लाख से अधिक की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप लगातार बढ़ता ही जा रहा है और दुनिया भर में इसके संक्रमितों की संख्या 1.08 करोड़ से अधिक हो गई तथा संक्रमण से मरने वालों की संख्या 5.20 लाख के पार हो गयी है।अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 10,836,500 हो गयी है जबकि 520,781 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। कोविड-19 के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है।भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 20,903 नये मामले सामने आये हैं और अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6,25,544 हो गई है। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 379 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 18,213 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 2,27,439 सक्रिय मामले हैं और अब तक 3,79,892 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। भारत संक्रमण के मामले में विश्व में सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में चौथे स्थान पर है।विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 27,39,092 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 128,742 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 14,96,858 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 61,884 लोगों की मौत हो चुकी है।रूस में भी कोविड-19 का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 660,231 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 9668 लोगों ने जान गंवाई है। पेरु में लगातार हालात खराब होते जा रहे है वह इस सूची में पांचे नम्बर पर पहुंच गया है वहां संक्रमितों की संख्या 292004 हो गई तथा 10045 लोगों की मौत हो चुकी है।ब्रिटेन में इस संक्रमण के कारण हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। यहां अब तक इस महामारी से 2,85,268 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 44,080 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।संक्रमण के मामले में चिली विश्व में सातवें स्थान पर हैं। यहां अब तक कोरोना वायरस से 2,84,541 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 5920 है।आठवें स्थान पर स्पेन में अब तक 250,103 लोग संक्रमित हुए है जबकि 28,368 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में भी इस महामारी ने बहुत कहर बरपाया है। यहां अब तक कोविड-19 से 2,40,961 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 34,818 लोगों की मौत हुई है।कोरोना संक्रमण के मामले में मेक्सिको ईरान से आगे निकल गया है और यहां संक्रमितों की संख्या 238,511 पहुंच गई है और अब तक इस वायरस से

डॉ. निगार जौहर बनीं लेफ्टिनेंट जनरल, पाक आर्मी में थ्री स्टार रैंक हासिल करने वाली पहली महिला

इस्लामाबाद। डॉ. निगार जौहर पाक आर्मी में लेफ्टिनेंट जनरल बनीं हैं। वह पाकिस्तान की पहली महिला हैं, जिन्हें पाक आर्मी में थ्री स्टार रैंक मिली है। इसके साथ ही उन्हें पाक सेना की पहली महिला सर्जन जनरल भी नियुक्त किया गया है। साल 2017 में निगार को मेजर जनरल बनाया गया था। तब वह यह रैंक हासिल करने वाली तीसरी महिला थीं। निगार पाकिस्तान के श्वाबी जिले के खैबर पख्तूनख्वा की रहने वाली हैं। निगार एक डॉक्टर होने के साथ-साथ माहिर शूटर भी हैं। लेफ्टिनेंट जनरल जौहर पाकिस्तान आर्मी के मेडिकल कोर में पोस्टेड हैं। वह साउथ एशिया के सबसे बड़े आर्मी अस्पताल की कमान संभाल रही हैं, जहां हर दिन 700 से ज्यादा रोगी इलाज के लिए आते हैं। निगार को 2015 में सीएमएच झेलम का कमांडेंट नियुक्त किया गया था। इस मुकाम पर पहुंचने वाली वह पहली महिला थीं। निगार पाकिस्तान के पूर्व सेना अधिकारी रिटायर्ड मेजर मोहम्मद आमिर की भतीजी हैं। वे इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) में थे। उनके पिता कर्नल कादिर भी आईएसआई में थे। करीब 30 साल पहले एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। इस हादसे में उनकी पत्नी की भी जान गई थी। निगार को 2015 में पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक वीडियो में दिखाया गया था। इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक वीडियो में दिखाया गया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान मेरा देश है और मैं यहां पैदा हुई। मुझे यहां आगे बढ़ने का मौका मिला। यह पहला ऐसा देश है जिसकी आर्मी में महिला जनरल ऑफिसर है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी ने - मैं और असद उमर प्रधानमंत्री की दौड़ में शामिल नहीं; पिछले दिनों कैबिनेट में हुआ था इमरान का विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का अपनी ही कैबिनेट में विरोध शुरू हो गया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है। कहा जा रहा है कि विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी या केंद्रीय विकास मंत्री असद उमर अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। इन कयासों पर कुरैशी ने सफाई दी है। कुरैशी के मुताबिक, वो खुद या असद प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल नहीं हैं। जियो न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुरैशी और उमर दोनों चाहते हैं कि इमरान अपने करीबी फवाद चौधरी को कैबिनेट से हटाएं। लेकिन, इमरान इसके लिए तैयार नहीं हैं। शुक्रवार को कुरैशी ने एक इंटरव्यू में इस बात से इनकार किया कि वो या असद उमर प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पिछले दिनों कैबिनेट मीटिंग के दौरान कुछ मंत्रियों ने इमरान का विरोध किया था। पिछले दिनों सरकार ने पेट्रोल करीब 26 और डीजल 21 रुपए महंगा किया था। इसके बाद देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इसकी वजह से भी इमरान पर काफी दबाव है। आरोप लग रहे हैं कि सरकार आर्थिक मोर्चे पर पूरी तरह नाकाम साबित हो चुकी है। खबरों के मुताबिक, कूरैशी और असद के अलावा कई कैबिनेट मंत्री इमरान के करीबी साइंस एंड टेक्नोलॉजी मिनिस्टर फवाद चौधरी को हटाए जाने की मांग कर रहे हैं। इनका आरोप है कि फवाद के भ्रष्टाचार की वजह से सरकार की बदनामी हो रही है। इनका आरोप है कि फवाद के भ्रष्टाचार की वजह से सरकार की बदनामी हो रही है।

लेकिन, इमरान चौधरी को हटाए जाने से साफ इनकार कर चुके हैं। अब इमरान की कुर्सी ही खतरे में नजर आ रही है। बताया जाता है कि कुरैशी और असद प्रधानमंत्री इमरान के कई फैसलों से सख्त नाखुश हैं।

शाह महमूद कुरैशी को देश की ताकतवर फौज का करीबी बताया जाता है। कहा जाता है कि आर्मी चीफ बाजवा उनके दूर के रिश्तेदार हैं। फौज इमरान से नाखुश है। सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के कई अहम पदों पर लेफ्टनेंट जनरल रैंक के अफसर पहले ही तैनात किए जा चुके हैं। ऐसे में माना जा सकता है कि फौज ने पहले ही तैयारी कर ली है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में दर्दनाक हादसा, ट्रेन -वैन की टक्कर में 15 सिख श्रद्धालुओं की मौत

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से बड़े हादसे की खबर सामने आई है। एक पैसेंजर ट्रेन सिख श्रद्धालुओं से भरी वैन से जा टकराई, जिससे 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी हादसे पर दुख व्यक्त किया है। यह दर्दनाक घटना पंजाब के शेखूपुरा में फरूकाबाद की है। जानकारी के अनुसार कराची से लाहौर जा रही शाह हुसैन एक्सप्रेस पैसेंजर ट्रेन शेखूपुरा जा रही थी, तभी वह वैन में जा भिड़ी। इस हादसे में 15 सिख श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई व कई गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर प्रशासन और राहत एवं बचावकर्मी पहुंच चुके हैं और घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान के कराची में भी आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें करीब 5 लोगों की मौत हुई थी ।

कोरोना रिसर्च में नया खुलासा, दिसंबर तक 12 लाख बच्चों की हो सकती है मौत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुनिया भर में इसके संक्रमितों की संख्या 1.08 करोड़ से अधिक हो गई तथा संक्रमण से मरने वालों की संख्या 5.20 लाख के पार हो गई है। कोविड-19 के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर है। वहीं अमेरिका की जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का दावा है कि अगर हालात और ज्यादा बिगड़े तो दिसंबर 2020 तक 118 देशों में 12 लाख बच्चों और 57 हजार मांओं की मौत हो सकती है। कोरोना का संकटकाल समय पर जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं न मिलने और खाने के कमी के कारण ढाई लाख शिशुओं की जान ले सकता है। गरीब देशों की 10 हजार से अधिक मांओं के लिए अगले 6 महीने चुनौतीभरे होंगे और इनकी जान जाने का भी खतरा होगा। आईए देखते हैं ये खास रिपोर्ट।

पेरू में कोरोना से मरने वालों की संख्या पहुंची 10 हजार के पार

ब्यूनस आयर्स । पेरू में कोरोना वायरस (कोविड-19) से मरने मरने वाले लोगों की संख्या 10 हजार के पार पहुंच गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने देर गुरुवार को कहा, हमें यह बताते हुए खेद है कि देश में कोविड-19 के कारण अब तक 10045 लोगों की मौत हो चुकी है। हमें पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना है। पेरू में कोरोना से अब तक 292004 लोगों संक्रमित हुए हैं। वहीं 182097 लोगों ने अब तक इस महामारी से निजात पायी है। यहां अब कर 17 लाख लोगों की कोरोना की जांच हो चुकी है।

मेक्सिको में एक दिन में कोरोना से 679 की मौत

मेक्सिको सिटी । मेक्सिको में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से 679 लोगों की मौत होने से देश में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 29189 हो गई है।स्वास्थ्य मंत्रालय में महामारी विज्ञान निदेशक जोस लुइस अलोमिया ने गुरुवार को कहा कि इस दौरान 6741 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 238511 हो गई है।श्री अलोमिया ने टेलीविजन पर अपने सम्बोधन में कहा इस समय देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 238511 है जिसमें से 29189 लोगों की मौत हो चुकी है।उन्होंने कहा कि एक दिन पहले कोरोना वायरस संक्रमण के 5681 नए मामले सामने आये थे और 741 लोगों की मौत हुई थी।

वियतनाम और फिलीपींस - इससे पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते खराब होंगे

वॉशिंगटन। कोरोनावायरस और हॉन्गकॉन्ग में सुरक्षा कानून लाए जाने के बाद चीन का अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई यूरोपीय देशों के साथ तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच चीन ने दक्षिण चीन सागर में मिलिट्री ड्रील का फैसला किया। फिलीपींस और वियतनाम ने इसका विरोध किया। उनका कहना है कि इससे चीन का पड़ोसी देशों के साथ भी रिश्ते खराब होंगे। उधर, अमेरिका ने चिंता जताते हुए कहा कि इस हरकत से क्षेत्र में तनाव और बढ़ेगा। चीन यहां 1-5 जुलाई तक सैन्य अभ्यास कर रहा है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि इससे दक्षिण चीन सागर में स्थिति बिगड़ेगी। इस क्षेत्र में विवादित गतिविधियों को रोकने के लिए हुए अंतरराष्ट्रीय समझौते का उल्लंघन होगा। फिलीपींस के रक्षा सचिव डेलफिन लोरेंजाना ने कहा कि इस क्षेत्र में चीन का मिलिट्री ड्रील उकसाने वाला है। वहीं, वियतनाम के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने ऐसा कर संप्रभुता का उल्लंघन किया है। इससे चीन का दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ रिश्ते खराब होंगे। वियतनाम और फिलीपींस इस क्षेत्र में चीन के सबसे बड़े विरोधी रहे हैं। उनका मानना है । साथ ही वह इंटरनेशनल मैरिटाइम लॉ का उल्लंघन करता है। चीन इस क्षेत्र के लगभग 80 से ज्यादा क्षेत्रों पर अपना दावा करता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बहनों ने किया संकल्प, इस साल भाइयों के कलाई पर नहीं बांधेंगी चीन की राखियां

क्रांति समय (सुरत)

सूरत , लद्दाख में चीन और भारतीय सेनाओं के बीच तनाव का देशभर में असर हुआ है!

खासकर जबसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को आत्म.निर्भर बनाने का नारा दिया है, तबसे देशभर में चीनी उत्पादों को बहिष्कार हो रहा है!

भारतवासी चीन में बनीं वस्तुओं फूंक रहे हैं!

सूरत की बहनों ने इस वर्ष भाइयों की कलाई पर चीनी राखियां नहीं बांधने का फैसला किया है।

सालभर सभी बहनें रक्षाबंधन की आतुरता के साथ प्रतीक्षा करती हैं और रक्षाबंधन के आडे अब केवल एक महीना शेष रह गया है।

अब तक ज्यादातर बहनें चीन में बनीं राखियों को अपने भाई के कलाई पर बांधती थीं।

लेकिन भारत और चीन के बीच तनातनी को देखते हुए बहनों ने भी चीनी राखियों का बहिष्कार करने का फैसला किया है।

सूरत के वेसू क्षेत्र में राखियां बनाने वाले महिला मंडल ने फैसला किया है

कि अब से वह राखियों में चीनी की किसी भी वस्तु का उपयोग नहीं करेंगी।

इन महिलाओं को कहना है कि चीन के खिलाफ केवल युद्ध ही नहीं बल्कि उसके उत्पादों का बहिष्कार को भी हथियार बनाया जा सकता है।

नाबालिग लड़की के नग्न फोटो दिखाकर परिवार से रुपए मांगने के आरोप में तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेसी) शहर की सरदारनगर पुलिस ने एक नाबालिग लड़की की नग्न तस्वीरें सोशल मीडिया वायरल करने की धमकी देकर उसके परिवार से रु. 15 लाख की फिरौती मांगने के आरोप में तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया है। पूरी घटना पर गौर करें तो सरदारनगर क्षेत्र में रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी की नग्न तस्वीरें पाने के बाद जीतु अलियाणी, निकुंज राठी और रोहित भाटिया नामक शख्सों ने उसके माता–पिता से रु. 15 लाख की फिरौती मांगी थी। साथ ही धमकी दी थी कि यदि उन्हें रुपए नहीं मिले तो वह लड़की की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। हांलाकि लड़की के पिता ने धमकी से डरे बगैर पुलिस थाने में शख्सों के खिलाफ रपट दर्ज करवा दी।

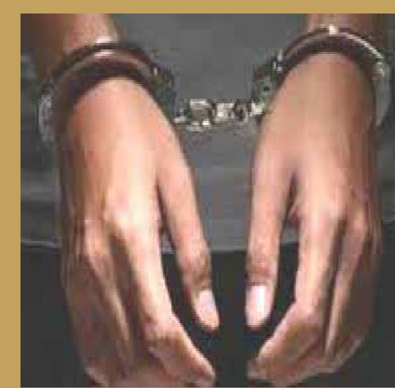

रपट दर्ज होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने जीतु, निकुंज और रोहित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि 16 वर्षीय किशोरी की 35 वर्षीय जीतु के साथ दोस्ती हुई थी। जिसका फायदा उठाते हुए जीतु ने किशोरी को अपनी नग्न तस्वीरें और वीडियो भेजने की मांग की। ऐसा नहीं करने पर दोनों फ्रेंडशिप उसके माता–पिता को बताने की धमकी दी। धमकी से डरी किशोरी ने अपनी नग्न तस्वीरें जीतु को भेज दीं। तस्वीरें मिलने के बाद रोहित भाटिया ने लड़की के पिता को वह तस्वीरें दिखाईं और 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी। रुपए नहीं मिलने पर तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। लेकिन लड़की के पिता ने धमकी के भयभीत हुए बिना सरदारनगर पुलिस थाने में रपट दर्ज करवा दीं।

सूरत के तीन जोन में पान–मसाले की दुकानें एक सप्ताह के लिए बंद

क्रांति समय (सुरत)

सूरत में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रशासन हरकत में आ गया है। बीते दिन राज्य की स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने कहा था कि जिन क्षेत्रों में कोरोना के ज्यादा मामले सामने आएंगे, उन इलाकों में पान–मसाले की दुकानें बंद करवा दी जाएंगी। आज सूरत महानगर पालिका आयुक्त बच्छानिधि पानी ने शहर के कतारगाम, वराछा–ए और बी जोन में सात दिनों के लिए पान–मसाले की दुकानें एक सप्ताह के लिए बंद करने का आदेश दिया है। हांलाकि सूरत के अन्य इलाकों में पान–मसाले की दुकानें चालू रहेंगी, लेकिन चार से अधिक लोगों के जमा होने पर कार्यवाही की जाएगी।

बच्छानिधि पानी ने कहा है कि पान–मसाले और चाय की दुकान पर लोगों की भीड़ जमा होगी तो उसे बंद करवा दिया जाएगा।

लोगों में अब भी जागृति का अभाव है और प्रशासन एहतियात के तौर पर कदम उठा रहा है। गौरतलब है सूरत जिले में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले को देखते हुए राज्य की स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि सूरत दौरे पर हैं।

गुरुवार को डॉ. जयंति रवि ने कोरोना संकट को लेकर बैठक की थी। जयंति रवि ने स्पष्ट रूप से कहा था कि जिन इलाकों में कोरोना के ज्यादा मामले सामने आएंगे, उन क्षेत्रों में पान–मसाले की दुकानें बंद करवा दी जाएंगी।

लोन के चक्कर में व्यापारी ने गंवाए 1.81 लाख रुपए

अहमदाबाद , शहर के एक कपड़ा व्यापारी पर्सनल लोन पाने के चक्कर में 1.81 लाख रुपए गंवा दिए।

ठगे जाने के बाद व्यापारी ने कालूपुर पुलिस थाने में अज्ञात शख्स के खिलाफ रपट दर्ज करवाई है,

जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक अहमद.ाबाद के शाहीबाग क्षेत्र के सिद्धि एपार्टमेंट निवासी अंकित शर्मा शहर के कालूपुर इलाके में पिता के साथ कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

कुछ समय पहले पर्सनल लोन के लिए अंकित शर्मा ने कई बैंकों का ऑनलाइन सर्च किया।

सर्च के दौरान अंकित शर्मा ने एक बड़ी गलती कर दी, वह गलती यह थी कि उन्होंने अपने बैंक का ब्यौरा, आधार कार्ड, पान कार्ड और आय इत्यादि भी साझा कर दी।

जिसके आधार पर एक दिन अंकित शर्मा पर फोन आया कि आपकी 3 लाख रुपए की लोन मंजूर हो गईं।

यश फाइनांस कंपनी के नाम पर फोन करने वाले शख्स ने लोन फीस, प्रोसेस फीस, एप्रुवल फीस के नाम पर अंकित शर्मा से रुपए ऐंठना शुरू कर दिया।

रुपए गंवाने के बाद अंकित शर्मा ने लोन लेने से इंकार कर दिया और दिए गए रुपए वापस लौटाने की मांग की।

बाद में गूगल पर सर्च कर यश फाइनांस का नंबर प्राप्त किया और कंपनी में घटना की शिकायत की।

कंपनी से जवाब मिला कि फोन करनेवाला शख्स पहले यश फाइनांस में नौकरी करता था और वह नौकरी छोड़ लोगों के साथ ठगी कर रहा है।

फोन पर बात करने वाले शख्स ने अंकित शर्मा से कहा कि उन्हें लोन समेत भरी गई पूरी रकम वापस लौटा दी जाएगी।

हांलाकि अंकित शर्मा को पता नहीं था कि फोन पर बात करने वाले शख्स भी ठग गिरोह का ही सदस्य था और उसने भी लोन कैंसल कराने समेत अलग अलग बहाने के तहत और रुपए ऐंठ लिए।

इस प्रकार ठगों ने अंकित शर्मा से रु. 1.81 लाख रुपए ऐंठ लिए।

आखिरकार अंकित शर्मा ने कालूपुर पुलिस थाने में अज्ञात शख्सों के खिलाफ रपट दर्ज करवा दी।

कोरोना योद्धाओं को प्रोत्साहित करते सम्मानित किया गया

सुरत, शुक्रवार को #INTUC परिवार द्वारा, सुरत में अपनी परवाह किए बिना कोरोना महामारी के अन्तर्गत, दिन–रात जन सेवा, जन हित, जन कल्याण, में मिडिया संस्थाओं द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हुए, तमाम कोरोना योद्धाओं को प्रोत्साहित करते हुए महावीर भवन उधना में सम्मानित किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप सुप्रिम कोर्ट के वरिष्ठ वकील श्री भगीरथ भाई पटेल जी उपस्थित रहे,

और गुजरात INTUC के प्रमुख संजय भाई पटवा जी, सुरत शहर जिल्ला INTUC के प्रमुख छगन भाई मेवाडा जी, के साथ INTUC परिवार की पूरी टीम उपस्थित थे...

शनिवार से राज्य कई हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान

अहमदाबाद, मौसम विभाग ने शनिवार से राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया हैद्य गुजरात में प्री मॉनसून एक्टि.विटी के दौरान राज्य के कई इलाकों में बारिश के बाद कई दिनों तक मेघा के विराम से भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं।

पिछले एक–दो दिन से राज्य में फिर बरसाती सिस्टम सक्रिय होने से कई इलाकों में बारिश हो रही हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 5 दिन गुजरात में बरसाती माहौल बनेगा और कई इलाकों में तो भारी होने की संभावना है।

दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है।

इस दौरान प्रति घंटे 60 किलोमीटर की रफ्तार से हवा भी चलेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को अहमदाबाद समेत उत्तरी गुजरात के कई इलाकों में मध्यम बारिश होने की संभ.ावना है।

जबकि 4 जुलाई को वलसाड, दमण और दादरा नगर हवेली, डांग, नवसारी, तापी, सूरत, जूनागढ़, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, अम.रेली, भावनगर, राजकोट और पोरबंदर में भारी बारिश का अनुमान है।

वहीं 5 जुलाई को वलसाड, नवसारी, दमण, दादरा नगर हवेली, वडोदरा, सूरत, भरुच, नर्मदा, डांग, तापी, जूनागढ़, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, अमरेली, राजकोट, पोरबंदर, भावनगर, दीव और कच्छ में मूशलाधार बारिश की संभावना है। जबकि 6 जुलाई को वडोदरा, आणंद, वलसाड, नवसारी, दमण, दादरा नगर हवेली भरुच, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, राज.कोट, भावनगर, मोरबी, दीव और कच्छ में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है।

इस साल नहीं सजेंगे गणेश

2 फूट की गणेश प्रतिमा की होगी स्थापना

अहमदाबाद , वैश्विक महामारी कोरोना से गुजरात समूचा देश जूझ रहा हैद्य विकट परिस्थितियों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्यौहारों को सादगी से मनाने का देशवासियों से आह्वान किया है।

ऐसे में आगामी गणेश उत्सव को पहले सूरत में गणेश पंडाल नहीं लगाने का फैसला किया गया था।

अब अहमदाबाद में भी बड़े गणेश पंडाल इस साल नहीं सजेंगे। परंपरा को बरकरार रखने के लिए केवल 2 फूट की गणेश प्रतिमा की स्थापना की जाएगीद्य खासकर अहमदाबाद में युवक मंडलों ने कोरोना को लेकर जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया है।

अहमदाबाद के मणीनगर स्थित दक्षिणी सोसायटी में जहां सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा की स्थापना की है, वहां भी इस वर्ष सरकार के दिशा निर्देशों के मुताबिक गणेश उत्सव मनाने का फैसला किया गया है।

सरकार की गाइडला.इन के मुताबिक केवल 2 फूट की गणेश प्रतिमा की स्थापना करने का फैसला किया गया है।

शिवशक्ति युवक मंडल के दक्षिण चा राजा के प्रमुख पराग नाइक के मुताबिक इस बार गणेशोत्सव सादगी से मनाया जाएगा।

कोरोना संकट को देखते हुए अहमदाबाद में युवक मंडलों ने बड़े पंडाल नहीं लगाने का फैसला किया है।

जिसकी वजह से हर साल के मुकाबले गणेश प्रतिमाओं का निर्माण करने वालों का 70 प्रतिशत व्यापार बंद रहेगा।

इस साल भी कोलकाता से कारीगर आए हैं और उनके रोजगार मिले इस उद्देश्य से मिट्टी की 2 फूट की गणेश प्रतिमाएं बनाई जाएंगी।

प्रतिमा बनाने वाली शीला जैन के मुताबिक हर साल 14 फूट तक की प्रतिमाओं का निर्माण करते हैं।

लेकिन इस वर्ष केवल 2 फूट की प्रतिमाओं का ही निर्माण किया जाएगा, जिसकी कीमत पिछले साल के बराबर ही होगी।

05 जुलाई 2020 को महेसाणा

विरमगाम सेक्शन पर लेवल क्रॉसिंग नं 64 बंद रहेगा

अहमदाबाद मण्डल पर महेसाणा व विरमगाम सेक्शन के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 64 (जो की राज्य राजमार्ग संख्या 138 पर स्थित है) आपातकालीन मरम्मत कार्य हेतु दिनांक 05 जुलाई 2020 को प्रातः 08:00 बजे से सांय 18:00 बजे तक (01 दिन) बंद रहेगा। अवधि के दौरान सड़क उपयोगकर्ता विरमगाम की तरफ से आवागमन कर सकते है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)